साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 48 | जौनपुर, शनिवार, 05 अक्टूबर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

मिर्जापुर में हुआ भयानक हादसा, 10 मजदूरों की हुई मौत

मिर्जापुर, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में कछवा सीमा के पास शुक्रवार को एक ट्रक और ट्रैक्टर के बीच हुई टक्कर में दस मजदूरों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, यह घटना जीटी रोड पर मिर्जामुराद कछवा सीमा पर उस समय हुई जब एक अनियंत्रित ट्रक ने एक ट्रैक्टर को पीछे से टक्कर मार दी, जो 13 लोगों को लेकर भदोही जिले से बनारस की ओर जा रहा था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और तीन घायलों को इलाज के लिए बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) अस्पताल भेजा। पुलिस ने बताया कि 13 लोग भदोही में मजदूरी करते थे और अपने गांव लौट रहे थे। दुर्घटना के संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और आगे की जांच जारी है। रात करीब एक बजे सूचना मिली कि मिर्जामुराद कछवा बॉर्डर पर जीटी रोड पर एक्सीडेंट हो गया है, जिसमें भदोही जिले से बनारस की ओर जा रहे 13 लोगों से भरे ट्रैक्टर को पीछे से अनियंत्रित ट्रक ने टक्कर मार दी है।

ऐतिहासिक संरचनाओं को नुकसान पहुंचाया तो होगी 2 साल की जेल

महाराष्ट्र, एजेंसी। महाराष्ट्र कैबिनेट की अहम बैठक हुई। इस बैठक में आगामी विधान सभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए कई अहम फैसले लिए गए हैं। सोशल मीडिया अकाउंट से इस फैसले की लिस्ट शेयर की गई है। महाराष्ट्र कैबिनेट ने महाराष्ट्र में पुरानी और ऐतिहासिक संरचनाओं को नुकसान पहुंचाने के बारे में कानून बनाने का प्रस्ताव पारित किया है। पुरानी और ऐतिहासिक संरचनाओं को नुकसान पहुंचाने वाले व्यक्ति को 2 साल की कैद और 1 लाख रुपये का जुर्माना देना होगा। राज्य सरकार ने राज्य में गैर–कृषि करों को पूरी तरह माफ करने का फैसला किया है। प्राचीन और ऐति हासिक इमारतों को नुकसान पहुंचाने पर दो साल की सजा और एक लाख के जुर्माने का प्रावधान किया गया है।

यूपी बनेगा ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर का सुपर हब - योगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश को अब ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) यानी वैश्विक क्षमता केंद्र का सुपर हब बनाने की तैयारी है। योगी आदित्यनाथ सरकार इसके लिए पहली बार नीति लाने जा रही है। नीति के तहत निवेशकों को स्टांप ड्यूटी में शत प्रतिशत राहत देने के साथ ही अन्य कई तरह की सहूलियतें दी जाएंगी। एक हजार जीसीसी स्थापित करने के लक्ष्य के साथ ही पांच लाख से ज्यादा युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। जीसीसी ऐसे बहुआयामी सुविधायुक्त केंद्र होते हैं जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), साइबर सुरक्षा, डाटा विश्लेषक, रोबोटिक्स और क्लाउड–क्वांटम कंप्यूटिंग इत्यादि पर कंपनी को तकनीकी उपलब्ध कराते हैं। आईटी एंड इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग द्वारा पांच वर्ष के लिए तैयार की गई यूपी जीसीसी नीति–2024 को जल्द ही कैबिनेट से पारित कराया जाएगा। हब एंड स्पोक माडल पर विकसित किए जाने वाले जीसीसी के चार घटक होंगे, जिसमें ग्लोबल हब, सेटेलाइट ऑफिस, आउटसोर्स सेंटर व कलस्टर ऑफिस शामिल होंगे। आईटी एंड इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री सुनील कुमार शर्मा बताते हैं कि अभी देश में गौतमबुद्धनगर जीसीसी के बड़े हब के तौर पर है। कानपुर, लखनऊ, प्रयागराज व मेरठ में भी यह सेंटर हैं। प्रस्तावित नीति से

प्रदेशभर में जीसीसी का तेजी से विस्तार होगा। आगरा, बरेली, गोरखपुर व वाराणसी में जीसीसी स्थापित होंगे। शर्मा के मुताबिक, 40 आईटी पार्क व 25 स्पेशल इकोनामी जोन (एसईजेड) में भी नीति के जरिए निवेश व उपक्रम स्थापना को बढ़ावा दिया जाएगा। विश्व स्तरीय संसाधनों के साथ–साथ डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध होगा। गौरतलब है कि हाल ही में सरकार ने आईटी सेक्टर को उद्योग का दर्जा देने का निर्णय किया है। ऐसे में आईटी कंपनियों को औद्योगिक क्षेत्रों में आसानी से जमीन मिलने के साथ ही बिजली पर भी छूट होगी। जीसीसी की नई नीति से आईटी सेक्टर को और रफ्तार मिलेगी।

न्यूनतम 15 करोड़ का निवेश व 500 लोगों को रोजगार

प्रस्तावित नीति के तहत जीसीसी की दो श्रेणियां होंगी। प्रदेश में लेवल–वन के जीसीसी स्थापित करने के लिए न्यूनतम 15 करोड़ रुपये का निवेश करना होगा। गौतमबुद्धनगर व गाजियाबाद में जीसीसी के लिए न्यूनतम 20 करोड़ रुपये का निवेश करना होगा। प्रत्येक जीसीसी में 500 से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने की भी अनिवार्यता रहेगी। एडवांस्ड जीसीसी के लिए निवेश की न्यूनतम सीमा 50 करोड़ रखी गई है।

गौतमबुद्धनगर व गाजियाबाद में एडवांस्ड जीसीसी खोलने के लिए 75 करोड़ रुपये का निवेश करना होगा। इनमें एक हजार से अधिक लोगों को रोजगार देना होगा। जीसीसी स्थापित करने के लिए इन्वेस्ट यूपी को नोडल एजेंसी बनाया गया है। जीसीसी के लिए इन्वेस्ट यूपी में ही आवेदन करना होगा।

बुंदेलखंड व पूर्वांचल में जमीन पर 50 प्रतिशत सब्सिडी

अगर कोई निवेशक बुंदेलखंड व पूर्वांचल में जीसीसी स्थापित करना चाहता है तो सरकार उसे जमीन पर 50 प्रतिशत तक सब्सिडी देगी। पश्चिमी व पूर्वी उत्तर प्रदेश में 40 प्रतिशत जबकि गौतमबुद्धनगर–गाजियाबाद में भूमि पर 30 प्रतिशत तक अनुदान दिया जाएगा। तय समय में जीसीसी स्थापित न होने की दशा में अनुदान पर सरकार 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज वसूलेगी। एक करोड़ रुपये तक टर्म लोन लेने पर निवेशकों को पांच प्रतिशत की दर से ब्याज सब्सिडी दी जाएगी। लीज रेंट, डाटा सेंटर, बैंडविथ, क्लाउड सर्विस व विद्युत आदि पर भी 20 प्रतिशत की दर से सब्सिडी दी जाएगी।

भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था - पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है। आज भारत जीडीपी के हिसाब से 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। हम वैश्विक फिनटेक अपनाने की दर के मामले में नंबर वन हैं। आज हम स्मार्टफोन डेटा खपत के मामले में नंबर वन हैं। उन्होंने कहा कि आज, वैश्विक आपातकाल के बीच, हम यहां भारतीय युग के बारे में चर्चा कर रहे हैं... इससे पता चलता है कि दुनिया भारत पर कितना भरोसा करती है। आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती और 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। फिनटेक अपनाने की दर के मामले में, हम शीर्ष देश के रूप में खड़े हैं। नरेंद्र मोदी ने कहा कि वैश्विक वास्तविक समय लेनदेन का आधा हिस्सा भारत में होता है। भारत दोपहिया वाहनों और ट्रैक्टरों का सबसे बड़ा निर्माता है, और मोबाइल फोन का दूसरा सबसे बड़ा निर्माता है। उन्होंने कहा कि श्सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तनश हमारा मार्गदर्शक मंत्र है। जब लोगों का जीवन बदल जाता है, तो वे अपने देश में विश्वास करना शुरू कर देते हैं। फिर वही बात उनके जनादेश के माध्यम से परिलक्षित होती है। 140 करोड़ भारतीयों का विश्वास ही हमारी ताकत है। हम भारत की भलाई के लिए और अधिक संरचनात्मक सुधार लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मोदी ने कहा कि हमारा कमिटमेंट है कि भारत को विकसित बनाने के लिए लगातार संरचनात्मक सुधार करते रहेंगे। भारत में विकास के साथ समावेशन भी हो रहा है। इसी का परिणाम है कि पिछले 10 साल में 250 मिलियन... यानि 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। उन्होंने कहा कि श्समावेशी भावनाश भारत की विकास गाथा का एक और उल्लेखनीय कारक है। अब, भारत में, विकास के साथ–साथ समावेशन भी होता है। परिणामस्वरूप, पिछले 10 वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि भारत की वृद्धि का लाभ सभी को मिले। प्रधानमंत्री ने कहा कि वैश्विक नेता और वित्तीय विशेषज्ञ भारत की वृद्धि को लेकर आशावादी हैं।

एससीओ शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए इस्लामाबाद जाएंगे एस जयशंकर

नई दिल्ली, एजेंसी। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शासनाध्यक्षों (एचओजी) की बैठक का 23वां सत्र 15–16 अक्टूबर, 2024 को इस्लामाबाद, पाकिस्तान में आयोजित किया जाएगा। पीएम नरेंद्र मोदी को उनके पाकिस्तानी समकक्ष और बैठक के मेजबान ने इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि विदेश मंत्री एस जयशंकर 15–16 अक्टूबर को इस्लामाबाद द्वारा आयोजित आगामी शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) बैठक के लिए पाकिस्तान का दौरा करेंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि जयशंकर एससीओ बैठक में भारतीय प्रति निधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। इस

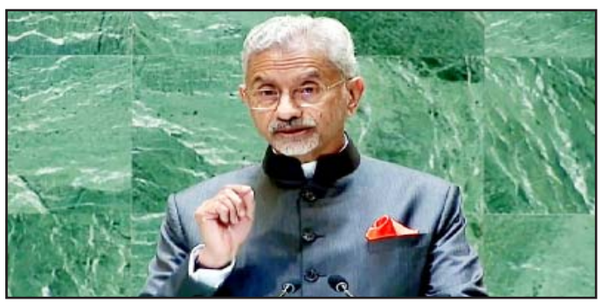

बैठक में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के भी शामिल होने की उम्मीद है। फरवरी 2019 में पुलवामा हमले के बाद बालाकोट हमले और अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के बाद से नई दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच संबंध निचले स्तर पर हैं। भारत की सैद्धांतिक स्थिति बहुत स्पष्ट रही है। पाकिस्तान द्वारा भारत के खिलाफ आतंक बंद किए बिना दोनों पक्षों के बीच किसी भी बातचीत पर विचार नहीं किया जा सकता। पाकिस्तान द्वारा भारत में आतंक भड़काने की नीति या रणनीति में किसी बदलाव का कोई सबूत नहीं मिला है। ऐसी परिस्थितियों में, यह तर्क दिया जाता है।

बढ़ती बेरोजगारी को लेकर राहुल गांधी ने साधा भाजपा पर निशाना

हरियाणा, एजेंसी। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को अपने एक्स पोस्ट के जरिए हरियाणा में बढ़ती बेरोजगारी, अपराध और नशीली दवाओं से संबंधित मुद्दों के लिए भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने विजय संकल्प यात्रा के दौरान लोगों के साथ अपने अनुभव और बातचीत साझा करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश का सहारा लिया। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा फैलाई गई बेरोजगारी की बीमारी ने हरियाणा की जड़ों, युवाओं के भविष्य और प्रदेश की सुरक्षा को गहरे संकट में डाल दिया है। राहुल ने हरियाणा के निवासियों के साथ अपनी बैठकों का विवरण दिया, जिन्होंने अपनी यात्रा के दौरान घर की बनी रोटियाँ साझा कीं और उन्हें राज्य की जटिल समस्याओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा की फैलाई बेरोजगारी की बीमारी ने हरियाणा की जड़ों, युवाओं के भविष्य और प्रदेश की सुरक्षा को गहरे संकट में डाल दिया है। हरियाणा की कुछ बहनों ने विजय संकल्प यात्रा के दौरान आश्रय दिया, बहुत प्यार से घर की रोटी खिलाई और साथ ही प्रदेश की जटिल समस्याएं समझाईं। आज, भारत में सबसे अधिक बेरोजगारी हरियाणा में है। इसका कारण है – भाजपा ने एक दशक में प्रदेश के युवाओं को रोजगार देने वाली हर प्रणाली की रीढ़ तोड़ दी है। राहुल ने अपने पोस्ट में दावा किया कि गलत जीएसटी और नोटबंदी से छोटे व्यापारों की कमर तोड़ दी। सेना की तैयारी करने वाले युवाओं का हौंसला तोड़ा।

युवाओं को ड्रग्स की अंधेरी दुनिया में ले जाना चाहती है कांग्रेस - शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने दक्षिणी दिल्ली में छापेमारी के बाद 5,600 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की 500 किलोग्राम से अधिक कोकीन बरामद की, अब तक की सबसे बड़ी नशीली दवाओं का भंडाफोड़ कहा जा रहा है। नशीली दवाओं के भंडाफोड़ के सिलसिले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया था। सियासत भी खूब हो रही है। भाजपा ने लगाया कि ड्रग कारोबार से जुड़े 5,600 करोड़ रुपये की जब्ती के मामले में गिरफ्तार मुख्य आरोपी को भारतीय युवा कांग्रेस की दिल्ली इकाई के सूचना का अधिकार (आरटीआई) प्रकोष्ठ का अध्यक्ष बनाया गया है। अब एक बार फिर से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस मामले को लेकर कांग्रेस पर वार किया है। अमित शाह ने एक्स पोस्ट में लिखा कि एक ओर जहाँ मोदी सरकार नशामुक्त भारत के लिए जीरो टॉलरेंस की नीति अपना

रही है, वहीं उत्तर भारत से पकड़ी गई ड्रग्स की रू5,600 करोड़ की खेप में कांग्रेस के एक प्रमुख व्यक्ति की संलिप्तता बेहद खतरनाक और शर्मनाक है। विपक्ष पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासन में ड्रग्स से पंजाब, हरियाणा और समग्र उत्तर भारत में युवाओं का जो हाल हुआ, वह सभी ने देखा है। सरकार युवाओं को खेल, शिक्षा और इनोवेशन की ओर ले जा रही है।

देश में विनिर्माण को वापस लाना एक कठिन काम – पीयूष गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में विनिर्माण को वापस लाना बहुत कठिन कार्य रहा है। वर्ष 2014 में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यभार संभाला था तब आर्थिक स्थिति बहुत खराब थी। ये जानकारी केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने दी है। मंत्री ने यह बात गुरुवार को संपन्न हुई अपनी चार दिवसीय अमेरिकी यात्रा के दौरान एक प्रेस संबोधन के दौरान कही। उन्होंने यह भी कहा कि जब प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यभार संभाला था तब भारत पांच नाजुक अर्थव्यवस्थाओं में शामिल था और विदेशी मुद्रा में कम वृद्धि और उच्च ब्याज दर जैसी अन्य समस्याएं भी थीं। मंत्री ने कहा, 2014 में जिस स्थिति में प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यभार संभाला था, उस समय हम एक कमजोर पांच अर्थव्यवस्था वाले देश थे। दुनिया ने हमें खत्म मान लिया था। मुद्रास्फीति अधिक थी, ब्याज दरें अधिक थीं। विदेशी मुद्रा भंडार और विकास कम था। निवेशकों की भावना खराब थी। शेयर बाजार नीचे थे। हमें दुनिया की सबसे कमजोर मुद्राओं और अर्थव्यवस्थाओं में से एक माना जाता था। इन बाधाओं के बावजूद, 2014 से पहले हर हफ्ते भ्रष्टाचार के घोटाले सामने आते थे, देश में विनिर्माण को वापस लाना एक कठिन काम था। वर्ष 2014 से भारतीय अर्थव्यवस्था की यात्रा पर प्रकाश डालते हुए, मंत्री ने कहा, देखें कि 2014 से 2024 तक हम कहां पहुंच गए हैं। हमने विकास दर को 4 प्रतिशत से बढ़ाकर 8 प्रतिशत कर दिया है। हमारी मुद्रास्फीति 9 प्रतिशत से घटकर 4 प्रतिशत से कम हो गई है।

वोट बैंक की राजनीति, तुष्टिकरण और भ्रष्टाचार कांग्रेस के पर्याय – जेपी नड्डा

हिमाचल प्रदेश, एजेंसी। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा अपने गृहराज्य हिमाचल प्रदेश के दौरे पर हैं। इस

दौरान एक सभा को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि हम सबके लिए बहुत ही खुशी की बात है और मैं उसके लिए आप सबको धन्यवाद देता हूं कि लोकसभा के चुनाव में आपने हिमाचल की चारों सीट भाजपा को जिताई। भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष होने के नाते मैं हिमाचल की जनता को और हर वोटर को इसके लिए धन्यवाद देता हूं। उन्होंने कहा कि ये हमारा सौभाग्य है कि 60 साल बाद हमारे नेता प्रधानमंत्री मोदी जी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद पर सुशोभित हुए हैं। नड्डा ने कहा कि मुझे इस बात की भी खुशी है कि ओडिशा में आप सबकी शुभकामनाओं से पहली बार विशुद्ध भाजपा की सरकार बनी है। आंध्र में छक। की सरकार बनी है। कुल मिलाकर देश के 18 प्रदेशों में छक। की सरकार है, जिसमें से 13 प्रदेशों में भाजपा की विशुद्ध सरकार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि आप लोगों की अथक मेहनत और ताकत से आज 98: भू–भाग पर कमल खिला हुआ है। इसके लिए मैं भारत और हिमाचल की जनता की बहुत बहुत धन्यवाद देता हूं। लोगों से नड्डा ने कहा कि आपका भविष्य, आपके बच्चों का भविष्य तभी सुरक्षित हुआ है।

स्वस्थ मानसिकता के आधार पर ही संभव होता है समग्र स्वास्थ्य - द्रौपदी मुर्मू

नई दिल्ली, एजेसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने माउंट आबू में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज के लिए आध्यात्मिकता' विषय पर वैश्विक शिखर सम्मेलन में भाग लिया। इस मौके पर अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि जब हम अपनी आंतरिक पवित्रता को पहचान लेंगे, तभी हम एक स्वस्थ एवं शांतिपूर्ण समाज की स्थापना में योगदान दे पाएंगे। उन्होंने कहा, आध्यात्मिकता का मतलब धार्मिक होना या सांसारिक कार्यों का त्याग कर देना नहीं है। आध्यात्मिकता का अर्थ है, अपने भीतर की शक्ति को पहचान कर अपने आचरण और विचारों में शुद्धता लाना। इंसान अपने कर्मों का त्याग करके नहीं, बल्कि अपने कर्मों को सुधार कर बेहतर इंसान बन सकता है। विचारों और कर्मों में शुद्धता जीवन के हर क्षेत्र में संतुलन और शांति लाने का मार्ग है। यह एक स्वस्थ और स्वच्छ समाज के निर्माण के लिए भी आवश्यक है। आध्यात्मिक मूल्यों का तिरस्कार कर केवल भौतिक प्रगति का मार्ग अपनाना अंततः विनाशकारी ही सिद्ध होता है। स्वच्छ मानसिकता के आधार पर ही समग्र स्वास्थ्य संभव होता है। राष्ट्रपति ने कहा, ब्रह्माकुमारी जैसे संस्थानों से यह अपेक्षा की जाती है कि आध्यात्मिकता के बल पर लोगों को स्वच्छ और स्वस्थ जीवन जीने के लिए जागरूक करते रहेंगे। आध्यात्मिकता हमारे निजी जीवन को ही नहीं, बल्कि समाज और धरती से जुड़े अनेक मुद्दों जैसे सतत विकास, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक न्याय को भी शक्ति प्रदान करती है। आज विश्व के अनेक हिस्सों में अशांति का वातावरण व्याप्त है। मानवीय मूल्यों का ह्रास हो रहा है। ऐसे समय में शांति और एकता की महत्ता और अधिक बढ़ गई है। शांति केवल बाहर ही नहीं, बल्कि हमारे मन की गहराई में स्थित होती है। जब हम शांत होते हैं, तभी हम दूसरों के प्रति सहानुभूति और प्रेम का भाव रख सकते हैं। आज जब हम ग्लोबल वार्मिंग और पर्यावरण प्रदूषण के विपरीत प्रभावों से जूझ रहे हैं, तब इन चुनौतियों का सामना करने के लिए सभी संभव प्रयास करने चाहिए। मनुष्य को यह समझना चाहिए कि वह इस धरती का स्वामी नहीं है, बल्कि पृथ्वी के संरक्षण के लिए जिम्मेदार है। अध्यात्म से जुड़ाव हमें, समाज और विश्व को देखने का एक अलग सकारात्मक दृष्टिकोण प्रदान करता है। यह दृष्टिकोण हममें सभी प्राणियों के प्रति दया और प्रकृति के प्रति

संवेदनशीलता का भाव उत्पन्न करता है। कार्यक्रम के दौरान राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े, ब्रह्माकुमारी संस्थ्था की प्रमुख दादी रतन मोहिनी सहित कई लोग मौजूद थे। राजस्थान के राज्यपाल ने कहा, यहां आकर आज बहुत आनंद की अनुभूति हो रही है। आध्यात्मिक होने का अर्थ है कि हम अपने आप को जानते हुए कार्य करें। यहां बहुत ही अच्छे विषय पर वैश्विक शिखर सम्मेलन का आयोजन कध्या जा रहा है।

संपादकीय

जलवायु परिवर्तन की समस्या

जाने–माने बौद्ध विचारक थिच नहत हान ने जलवायु परिवर्तन की गहराती समस्या पर कहा था कि यदि हम उसी रास्ते पर चलते रहे, जिस पर इस समय चल रहे हैं तो निश्चित ही मनुष्य जाति का विनाश हमारे अनुमानों से पहले ही हो जाएगा। जो लोग जलवायु परिवर्तन की स्थिति को समझते हैं और तथ्यों से परिचित हैं, उन्हें इससे कोई असहमति नहीं सकती है। आश्चर्य तब होता है जब विश्व भर में सत्ता पर काबिज लोग भी वर्तमान रास्ते को बदलने की बात तो लगातार करते हैं, अनेक उपायों की चर्चा भी करते हैं, लेकिन जमीन पर कोई व्यावहारिक बदलाव नहीं हो पाता है। इसका सबसे निकटस्थ उदाहरण है दिल्ली में वायु प्रदूषण की भयावह समस्या। प्रतिवर्ष वही वादे, वही न्यायालय के नाराजगी भरे निर्णय और उत्तरदायी व्यक्तियों द्वारा लगातार अपनी कर्मठता जाहिर करते देखना मात्र तक ही दिल्ली की नियति बन गई है। वैसे यह समस्या सिर्फ दिल्ली की ही नहीं, देशव्यापी है, विश्वव्यापी है। करीब बीस वर्ष पहले एक ऐसी संभावना बनी थी, जिसमें भारत की नई पीढ़ी को पर्यावरण प्रदूषण से निपटने के लिए तैयार किया जा साकता था, मगर वह राजनीति की भेंट चढ़ गया। दरअसल सर्वोच्च न्यायालय ने एनसीईआरटी को दिसंबर 2003 में निर्देश दिया था कि वह पर्यावरण शिक्षा को एक अलग विषय के रूप में पढ़ाए जाने के लिए कक्षा एक से लेकर 12 तक का पाठ्यक्रम बनाए, जिसे संस्था ने मार्च 2004 में न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर दिया। न्यायालय ने उसे सभी राज्य सरकारों को भेजा। यह राष्ट्रीय स्तर पर अत्यंत संतोष की स्थिति थी कि सभी राज्य सरकारों ने उस पाठ्यक्रम को स्वीकार किया। साथ ही अपने स्कूल शिक्षा की संरचना में आवश्यक परिवर्तन कर पर्यावरण शिक्षा को एक अलग स्वतंत्र विषय बनाने की बात कही। मई 2004 में केंद्र में नई सरकार आ गई। चूंकि उक्त निर्णय पूर्ववर्ती सरकार के प्रयास का परिणाम था अतः उसने उस निर्णय को लागू नहीं किया। नीति–निर्धारण स्तर पर जब भविष्यदृष्टि की कमी होती है, तब अनेक ऐसे निर्णय लिए जाते हैं, जिनका आधार शैक्षिक या अकादमिक न होकर कहीं न कहीं राजनीतिक विचारधाराओं के सतत संघर्ष में छिपा होता है। कल्पना कीजिए कि यदि 20 वर्ष से पहले पर्यावरण शिक्षा को अनिवार्य और स्वतंत्र विषय बना दिया जाता तो देश के प्रशासन में आज युवाओं की एक ऐसी पीढ़ी कार्यरत होती, जिसके मन मस्तिष्क में पर्यावरण रक्षा के प्रति श्रद्धा पैदा हो चुकी होती। संभव है कि उनमें से कोई एक दिल्ली की समस्या को चुनौती मानकर इसका समाधान करने के लिए जी जान से जुट जाता और सफल होता। इंदौर और सूरत जैसे शहरों में जो सफलताएं स्वच्छता को लेकर मिलीं और सारे देश में इन शहरों की सराहना हुई, उसके पीछे भी कहीं न कहीं एक उत्साहित, अध्ययनशील और भविष्यदृष्टि वाला व्यक्तित्व उपस्थित था। सामान्यजन अब यह समझ चुके हैं कि उत्तरदायी व्यक्ति यदि निष्ठापूर्वक किसी समस्या का समाधान करना चाहे तो रास्ते निकाल सकते हैं और समाधान भी प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए पहली आवश्यकता यह है कि उन्हें अपने परिवार और करियर के बजाय जनसेवा को जीवन का उद्देश्य बनाकर आगे बढ़ना होगा। लोकतंत्र कहता है कि जो चयनित जनप्रतिनिधि संवैधानिक पदों पर नियुक्त होंगे वे जनसेवा के कारण ही वहां पहुंचेंगे और इसके बाद वे पूर्णरूपेण अपना सर्वस्व उसी के लिए समर्पित कर देंगे। यही अपेक्षा तो गांधी, सुभाष चंद्र बोस, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, आचार्य कृपलानी जैसे मनीषियों ने स्वतंत्र भारत में नेतृत्व प्रदान करने वाले जन प्रतिनिधियों से की थी। दुख की बात है कि उनकी अपेक्षाओं को वर्तमान राजनीतिक और दलगत वैचारिक प्रतिबद्धताओं की आधी–अधूरी समझ के अंतर्गत पूरी तरह नकार दिया गया है। हर उस क्षेत्र में जहां जनसाधारण का जीवन प्रभावित होता है, निर्णय ले सकने वालों की स्वार्थपरकता व्यक्ति के लिए कष्टकर स्थितियां ही उत्पन्न करती हैं। जनहित की बड़ी–बड़ी परियोजनाएं इसी कारण अपने लक्ष्य प्राप्त नहीं कर पाती हैं। उदाहरण के रूप में अगर देश के स्वास्थ्य क्षेत्र को ही लें तो अनेक सरकारी योजनाओं की घोषणा होने के बावजूद आज भी सरकारी अस्पतालों की स्थिति सामान्य व्यक्ति के लिए सुविधाजनक नहीं बन पाई है। ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों की हालत और चिंताजनक है। उनमें नियुक्त डाक्टर सप्ताह में एक या दो दिन ही जाते हैं, उनके वरिष्ठ अधिकारी यह सब जानते हैं, मगर पता नहीं क्यों किसी कार्रवाई की आवश्यकता महसूस नहीं करते। अंततः लोग इस स्थिति को अपरिवर्तनीय मानकर स्वीकार कर लेते हैं। वर्ष 2013 में आई न्यायमूर्ति जेएस वर्मा समिति की रिपोर्ट में बताया गया था कि देश में 10 हजार शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान केवल व्यापार कर रहे हैं, प्रशिक्षण की गुणवत्ता में उनकी कोई रुचि नहीं है और वे डिग्री बेच रहे हैं। नई शिक्षा नीति–2020 में भी इस कथन को शामिल किया गया है और शिक्षक प्रशिक्षण में गहन सुधारों की आवश्यकता को स्वीकार किया गया है। शिक्षा नीति में न्यायमूर्ति जेएस वर्मा समिति के शब्दों को दोहराया जाना यह स्पष्ट करता है कि डिग्री बेचने वाले संस्थान इस बीच अपना कार्य करते रहे। राष्ट्रीय स्तर पर व्यवस्थागत निष्क्रियता और अन्यमनस्कता का यह एक सटीक उदाहरण है। देश में ऐसे उदाहरणों की कमी नहीं है। स्पष्ट है सामान्य जन के जीवन में अपेक्षित परिवर्तन तभी होगा, जब देश का प्रबुद्ध वर्ग अपना उत्तरदायित्व निभाने के लिए आगे आएगा और सरकारी तंत्र ईमानदारी, कर्मठता और सेवा भाव को प्राथमिकता देगा।

हरियाणा में पिछड़ रही भाजपा अब आगे हुई

नीरज

हरियाणा में लगभग सवा नौ साल तक मुख्यमंत्री रहे मनोहर लाल खट्टर के खिलाफ उपजी नाराजगी को भांप कर भाजपा नेतृत्व ने इस साल मार्च में उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटा दिया था। खट्टर को लोकसभा चुनाव लड़वा कर और केंद्रीय मंत्री पद सौंप कर दिल्ली की राजनीति में स्थापित करने का प्रयास किया गया लेकिन खट्टर का मन हरियाणा में लगा रहा। भाजपा नेतृत्व को जब यह लगा कि खट्टर का नाम नुकसान पहुँचा रहा है तो पूरे चुनाव प्रचार अभियान से खट्टर का नाम और उनकी तस्वीर गायब कर दी गयी। हमने पाया कि भाजपा की हर चुनावी रैली अथवा जनसभाओं के दौरान मंच पर या उसके आसपास लगने वाले पोस्टरों, बैनरों और होर्डिंगों में खट्टर का नाम और तस्वीर नहीं थी। यही नहीं हरियाणा सरकार की जिन उपलब्धियों के सहारे भाजपा ने चुनाव लड़ा उसमें भी खट्टर की तस्वीर नहीं लगायी गयी। भाजपा ने साधारण लोगों की तस्वीरों का इस्तेमाल चुनाव प्रचार सामग्री में किया। जैसे युवाओं की तस्वीरों के साथ लिखा गया कि बिना खर्ची पर्ची नौकरी दी गयी। किसानों की तस्वीरों के साथ लिखा गया कि 24 फसलों का एमएसपी दे रही हरियाणा सरकार, महिलाओं की तस्वीरों के साथ लिखा गया कि तमाम योजनाओं का लाभ दे रही भाजपा सरकार। इसी प्रकार अन्य उपलब्धियों का बखान करते हुए भी प्रचार सामग्री तैयार करवायी गयी जिसमें आम लोगों की तस्वीरें प्रकाशित की गयी थी। इसमें कोई दो राय नहीं कि खट्टर से छुटकारा पाकर भाजपा ने हरियाणा में खुद को मुश्किल स्थिति से उबारने में सफलता पाई है। ऐसा लगता है कि यदि भाजपा ने मार्च में खट्टर को हटाने का फैसला नहीं लिया होता तो आज वह चुनावी मुकाबले से पूरी

तरह बाहर हो चुकी होती। खट्टर से व्यक्तिगत रूप से लोगों की नाराजगी भाजपा को चुनावों में उसी तरह नुकसान पहुँचा सकती थी जैसे कि राजस्थान विधानसभा के 2018 के चुनावों में देखने को मिला था जब नारे लग रहे थे कि मोदी तुझसे बैर नहीं, वसुंधरा तेरी खैर नहीं। हमसे बातचीत में भाजपा के भी कई समर्थकों और कार्यकर्ताओं ने माना कि यदि खट्टर को हटाने का फैसला एक साल पहले लिया गया होता तो लोकसभा चुनावों में भी हम सारी सीटें जीत सकते थे। इसके अलावा, 15 दिनों पहले जब हमने हरियाणा विधानसभा चुनाव प्रचार की कवरेज की शुरुआत की थी उस समय सब जगह कांग्रेस की हवा ही दिख रही थी लेकिन एक एक दिन बीतने के साथ यह हवा हमें धीमी पड़ती दिखी और अब जब चुनाव प्रचार खत्म हो चुका है तो कहा जा सकता है कि हवा किसी एक के पक्ष में नहीं है बल्कि कांटे का मुकाबला देखने को मिल सकता है। हरियाणा चुनाव के दौरान मुझे दिल्ली नगर निगम का पिछला चुनाव इसलिए याद आ गया क्योंकि उसमें भाजपा का सूपड़ा साफ होने की भविष्यवाणी की गई थी लेकिन जब परिणाम आये तो पार्टी नजदीकी मुकाबले में आम आदमी पार्टी से सिर्फ कुछ सीटों से पिछड़ गई थी। हरियाणा चुनावों में भी जमीनी स्थिति कुछ ऐसी ही दिखी। ऐसा लगता है कि भाजपा को जब इस बात का अहसास हुआ कि वह चुनाव में कांग्रेस से बहुत ज्यादा पीछे नहीं है तो उसने पिछले 10 दिनों में अपनी पूरी ताकत झोंक दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चार जनसभाएं कराई गयीं और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत तमाम मुख्यमंत्रियों को चुनाव प्रचार में उतार दिया गया। पूरे चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस ने 70 से ज्यादा रैलियां और जनसभाएं कीं। जवाब में भाजपा ने 150 सभाएं और रैलियां कर माहौल को पूरी तरह बदल दिया।

हरियाणा में कांग्रेस ने जमीन तक इस बात को पहुँचाने में सफलता हासिल कर ली थी कि श्कांग्रेस आ रही है, भाजपा जा रही हैश। भाजपा ने इस हवा की चाल को धीमा करने के लिए परिवारवाद को मुद्दा बनाया और भूपिंदर सिंह हुड्डा के पिछले शासन की याद दिलाई जिससे माहौल बदलने लगा। भाजपा ने जनता के बीच इस धारणा को मजबूत किया कि अगर कांग्रेस आई तो निश्चित रूप से हुड्डा को कमान सौंपी जाएगी। कांग्रेस नेतृत्व ने भी बार–बार हुड्डा को ही कमान सौंपने के संकेत दिये जिससे फायदा होने की बजाय नुकसान होता दिखा क्योंकि हुड्डा को अपने पिछले कार्यकाल में सिर्फ रोहतक का सीएम माना जाता था और उन पर अपने आलाकमान को खुश रखने के लिए प्रदेश के संसाधनों का दुरुपयोग करने के आरोप भी हैं। कई क्षेत्रों के लोगों का मानना है कि हुड्डा ने सिर्फ रोहतक में काम किया जिससे वहां की जमीनों के रेट ज्यादा हैं और उनके इलाके की जमीनों का रेट बहुत कम है। इसके अलावा भाजपा ने जिस एकजुटता और रणनीति के साथ हरियाणा में काम किया उससे पार्टी मुकाबले में तेजी से वापसी करती दिखी। रैलियों, सभाओं और डोर टू डोर हुए प्रचार के बाद मिल रहे फीडबैक से भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह दिखा और इस उत्साह को और बढ़ाने के लिए पार्टी ने कोई कसर नहीं छोड़ी इसलिए 3 अक्टूबर शाम पांच बजे चुनाव प्रचार थमने तक भाजपा के प्रदेश के बड़े नेता, दूसरे राज्यों के मंत्री और मुख्यमंत्री तथा केंद्रीय मंत्री जनता के बीच लगातार पहुंचकर भाजपा की सरकार तीसरी बार बनाने की अपील करते दिखे। भाजपा की रैलियों पर नजर डालें तो पता चलता है कि पिछले लगभग एक महीने में प्रमुख नेताओं की 150 से अधिक जनसभाएं हुईं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत तमाम वरिष्ठ नेताओं ने रैलियों और रोड शो के माध्यम से अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं और कांग्रेस को अनेक मुद्दों पर सफलतापूर्वक घेरा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने तो एक दिन में 4 से 5 बड़ी रैलियां कीं। भाजपा के लिए हरियाणा में सघन प्रचार करने वालों में केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव आदि शामिल रहे। हरियाणा भर में कोई शहर या गांव ना छूटे इसके लिए विभिन्न प्रदेशों के प्रवासी नेताओं और कार्यकर्ताओं की ड्यूटी भी लगायी गयी ताकि भाजपा की उपलब्धियों और पार्टी के संकल्प पत्र में किये गये वादों को जन–जन तक पहुँचाया जा सके। इसके अलावा भाजपा की सोशल मीडिया टीम ने विपक्षी नेताओं और उम्मीदवारों के प्रचार और उनके संबोधनों पर बारीकी से निगाह रखी। यदि किसी विपक्षी नेता ने कोई विवादित बयान दिया तो उसको सोशल मीडिया पर वायरल करवाया गया। बहरहाल, तमाम प्रयासों के जरिये भाजपा मनोहर लाल खट्टर के प्रति नाराजगी से उबर पाने में तो सफल हुई। देखना होगा कि यह सफलता मतों में परिवर्तित होती है या नहीं? लोकसभा चुनावों के बाद हो रहे हरियाणा चुनाव भाजपा और कांग्रेस दोनों के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। यदि भाजपा अपनी सरकार बचा लेती है तो लोकसभा में स्पष्ट बहुमत पाने से चूकी पार्टी का मनोबल बढ़ जायेगा और यदि कांग्रेस चुनाव जीतती है तो राहुल गांधी का कद और स्वीकार्यता राष्ट्रीय राजनीति में और बढ़ जायेगी।

खतरे में विश्व शांति

आदित्य

इजरायल की ओर से लेबनान में हिजबुल्ला के सरगना नसरुल्ला को मार गिराए जाने के बाद ईरान ने जिस तरह उस पर मिसाइलें दागीं, उसके बाद पश्चिम एशिया के हालात बेकाबू होते दिख रहे हैं। इसलिए और भी, क्योंकि इजरायल ने दो टूक कहा है कि ईरान को मिसाइल हमले के नतीजे भुगतने होंगे। इजरायल केवल ईरान पर ही हमले की तैयारी नहीं कर रहा है। उसने लेबनान में हिजबुल्ला को सबक सिखाने के लिए अपनी सेनाएं भेज दी हैं और वह सीरिया में अपने शत्रुओं पर हमला करने के साथ यमन में हाउती लड़ाकों को भी निशाना बना रहा है। हमास, हिजबुल्ला और हाउती वे संगठन हैं, जिन्हें ईरान हर तरह का सहयोग और समर्थन देता है। पश्चिम एशिया में अशांति केवल इसलिए नहीं है कि इजरायल फलस्तीन को एक अलग देश के रूप में स्वीकार करने को तैयार नहीं। इस अशांति का एक बड़ा कारण ईरान भी है, जो इजरायल का समूल नाश करने की अपनी सनक से ग्रस्त है। ईरान की तरह कतर भी इजरायल विरोधी संगठनों की मदद करता है। ये दोनों देश ऐसा इसलिए भी करते हैं, ताकि खुद को इस्लामी जगत का अगुआ साबित कर सकें। इजरायल और अन्य इस्लामी देशों के बीच दुश्मनी और युद्ध का एक लंबा इतिहास है। इसकी जड़ें बहुत पुरानी हैं, लेकिन मौजूदा अशांति का मूल कारण एक साल पहले सात अक्टूबर को गाजा आधारित आतंकी संगठन हमास की ओर से इजरायल में किया गया बर्बर हमला रहा। इस भीषण हमले में 12 सौ से अधिक इजरायली नागरिक मारे गए थे। इस हमले के दौरान हमास के आतंकी दो सौ से अधिक इजरायलियों को बंधक बनाकर गाजा ले आए थे। हमास ने इन बंधकों को रिहाकर कोई समझौता करने से इन्कार करके गाजा में अपने लोगों को एक तरह से जानबूझकर मरवाने का ही काम किया। इजरायल ने हमास को तबाह करने की कोशिश में गाजा में जो भीषण हमले किए, उनमें हजारों फलस्तीनी मारे जा चुके हैं। यह सही है कि इजरायल हमेशा ही ईंट का जवाब पत्थर से देता है, लेकिन शायद हर वह देश ऐसा ही करेगा, जिसे अपने अस्तित्व पर संकट नजर आएगा। यदि यह अपेक्षा की जा रही है कि इजरायल संयम बरते और हमास, हिजबुल्ला जैसे संगठनों को सैन्य शक्ति के बल पर मिटाने की जिद छोड़े तो ईरान और अन्य इस्लामी देशों से भी यही अपेक्षित है कि वे इजरायल का नामो निशान मिटाने की मानसिकता का परित्याग करें। वास्तव में इसी मानसिकता के चलते अमेरिका और कुछ अन्य देश हर हाल में इजरायल का साथ देने की नीति पर चलते हैं। चूंकि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद असहाय और अक्षम है, इसलिए पश्चिम एशिया में सुलह–समझौते के आसार नहीं दिखते। यदि वहां हालात और खराब होते हैं तो इससे विश्व शांति के साथ वैश्विक अर्थव्यवस्था भी खतरे में पड़ेगी, जो यूक्रेन युद्ध के चलते पहले से ही संकट में है।

बायोमेडिकल कचरे के कुप्रबंधन

एक आदमी का कचरा दूसरे आदमी के लिए खजाना है, बायोमेडिकल कचरे के मामले में सचमुच ऐसा ही है। औसतन, एक अस्पताल हर दिन प्रति बिस्तर सर्जिकल दस्ताने, सलाइन बोतलें, प्ट ट्यूब, सीरिंज आदि के रूप में लगभग 100 ग्राम प्लास्टिक कचरा पैदा करता है। अगर इसे ठीक से नष्ट किया जाए, तो इससे अस्पताल को रीसाइकिलर से 50 रुपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से 5 रुपये मिलते हैं। लेकिन जब अवैध रूप से बेचा जाता है और दोबारा पैक किया जाता है, तो प्रत्येक वस्तु 75–100 रुपये की कुल कीमत के साथ बाजार में वापस आ जाती है – लाभ में लगभग 20 गुना वृद्धि। आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के बाद पश्चिम बंगाल में बायोमेडिकल कचरे के कथित दुरुपयोग और इसके अनुचित निपटान केंद्रीय जांच ब्यूरो की जांच के दायरे में हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के रिकॉर्ड के अनुसार, 2014 में पश्चिम बंगाल में 1.03 लाख अस्पताल के बिस्तर थे, जिनसे प्रतिदिन 42.2 लाख टन कचरा निकलता था, जिसमें से केवल 22.7 लाख टन का ही उपचार किया जाता था। 2023 में, जबकि बिस्तरों की संख्या बढ़कर 1.68 लाख हो गई थी – 63ः की वृद्धि – उत्पन्न कचरे में 2ः से भी कम की वृद्धि हुई और यह सब स्पष्ट रूप से उपचारित किया गया था। रिकॉर्ड बताते हैं कि 2017 में उपचारित बायोमेडिकल कचरे की मात्रा उत्पन्न होने वाले कचरे से अधिक थी। आंकड़ों में स्पष्ट अंतर हैं।

दुरुपयोग ही एकमात्र समस्या नहीं है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़े बताते हैं कि उत्पन्न होने वाले बायोमेडिकल कचरे का एक हिस्सा भी गलती से साधारण कचरे के साथ फेंक दिया जाता है। बायोमेडिकल कचरे के कुप्रबंधन में पश्चिम बंगाल अकेला नहीं है। 2023 में, कर्नाटक अपने लगभग 40ः बायोमेडिकल कचरे को अनुपचारित छोड़ रहा था।

भारत में बायोमेडिकल कचरे के निपटान को विनियमित करने वाले कानूनों की कोई कमी नहीं हैरू बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 इसका एक उदाहरण है। लेकिन हमेशा की तरह, कार्यान्वयन में ढिलाई बरती जाती है। पश्चिम बंगाल में, राज्य प्रदूषण नियंत्रण प्राधिकरण और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों जैसे नियामक निकाय अक्सर दूसरी तरफ देखते हैं जबकि अस्पताल – सार्वजनिक और निजी – बायोमेडिकल अपशिष्ट निपटान कानूनों का उल्लंघन करते हैं।

यह इस तथ्य के बावजूद है कि बायोमेडिकल अपशिष्ट – कोविड–19 महामारी के बाद से इसकी मात्रा में वृद्धि हुई है – गंभीर स्वास्थ्य और पर्यावरण संबंधी खतरे पैदा करता है। बायोमेडिकल कचरे को रंग–कोडिंग और अलग–अलग करने, अस्पताल के कर्मचारियों को इसे निपटाने के तरीके के बारे में प्रशिक्षण देने और उत्पन्न और निपटाए गए कचरे की मात्रा का सख्त रिकॉर्ड रखने की प्रथाओं को इस समस्या से निपटने के लिए पूरी तरह से लागू किया जाना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र में सुधार का इंतजार, अक्षम हो चुकी हैं संस्थाएं

शिवकांत

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने भविष्य शिखर सम्मेलन के उद्घाटन भाषण में कहा, श्दुनिया एक बवंडर में फंसी है। हम ऐसी अभूतपूर्व चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, जो वैश्विक समाधान चाहती हैं।श इससे पहले उन्होंने कहा था, श्सुरक्षा परिषद जैसी संस्थाएं आज पूरी तरह अप्रासंगिक, अयोग्य और अक्षम हो चुकी हैं। इनमें सुधार किए बिना वैश्विक चुनौतियों से नहीं निपटा जा सकता। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा, हताश होने के बजाय हमें एकजुट होकर चुनौतियों का सामना करना चाहिए। इसके लिए संयुक्त राष्ट्र को और सक्षम, प्रभावी और समावेशी बनाने की जरूरत है। इसीलिए हम सुरक्षा परिषद का सुधार और विस्तार करने का समर्थन करते हैं।श वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने वैश्विक संस्थाओं में सुधार के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा था, सुधार प्रासंगिक बने रहने की कुंजी हैं। मानव की सफलता उसकी संगठित शक्ति में है, जंग के मैदान में नहीं। इन वक्तव्यों से संकेत मिलता है कि सुरक्षा परिषद के सुधार और विस्तार के लिए आम सहमति बन चुकी है। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति रामफोसा ने भी सुरक्षा परिषद में सुधार करने और अफ्रीका को स्थायी सीट देने की मांग रखी। महासचिव गुटेरस ने माना है कि अफ्रीका को सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट देने पर सहमति हो चुकी है, पर सुधार और विस्तार की प्रक्रिया क्या हो और इसकी शुरुआत कब हो, इसे लेकर सहमति नहीं बन पा रही। लैटिन अमेरिका से ब्राजील को स्थायी सदस्यता देने पर भी किसी को आपत्ति नहीं है। मसला विश्व की दो तिहाई आबादी और लगभग आधी अर्थव्यवस्था वाले एशिया का है, जिसका प्रतिनिधित्व अकेले चीन के पास है। यूरोप के पास रूस, फ्रांस और ब्रिटेन की तीन सीटें हैं। इसलिए कुछ देशों का सुझाव है कि इन तीन देशों में से कम से कम एक को अपना वीटो अधिकार और सीट छोड़ देनी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के आठ दशकों में विश्व के सामरिक और आर्थिक समीकरण पूरी तरह बदल जाने के बावजूद वीटो अधिकार वाले पांचों स्थायी सदस्यों में से कोई अपने वीटो अधिकार और स्थायी सीट को छोड़ने को तैयार नहीं है। स्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाने पर आम सहमति है, परंतु चीन को वीटो अधिकार वाले सदस्यों की संख्या बढ़ाना मंजूर नहीं, खासकर एशिया से जहां स्थायी सदस्यता के दोनों दावेदारों, भारत और जापान पर वह अलग–अलग कारणों से संदेह करता है। यह समय की विडंबना है कि भारत ने जिस चीन को मान्यता देने में पहल की थी और सुरक्षा परिषद में उसकी स्थायी सीट को सिद्धांत के तौर पर लेने से मना कर दिया था, आज वही चीन भारत की स्थायी सदस्यता के मार्ग में आड़े आ रहा है। चीन के अलावा भारत के दूसरे पड़ोसी देश भी चुनाव प्रक्रिया, न्याय प्रक्रिया, संवैधानिक संस्थाओं और मानवाधिकारों पर उचित–अनुचित सवाल उठाकर स्थायी सदस्यता की राह को कठिन बनाते रहते हैं। अमेरिका भी भारत की खेमेबाजी से परे अवसरानुकूल कूटनीति को लेकर आशंकित रहा है। इसका नवीनतम उदाहरण भारत का रूस के खिलाफ आर्थिक प्रतिबंधों में शामिल न होना और यूक्रेन पर रूसी हमले के निंदा प्रस्तावों से दूर रहना है। इसलिए वह भारत को वीटो अधिकार वाली स्थायी सदस्यता देने का समर्थन कर ही देगा, यह सुनिश्चित नहीं। वीटो अधिकार के बिना सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता से अनुचित निर्णयों पर तमाशबीन बने रहने की बेचारगी के सिवा कुछ हासिल नहीं होगा। इसलिए भारत की दिलचस्पी ऐसी सदस्यता में नहीं है। या तो सभी अपने–अपने वीटो अधिकारों का परित्याग करें, जिसकी संभावना कम है या फिर नए सदस्यों को भी वीटो अधिकारों के साथ शामिल किया जाए, ताकि वे यूक्रेन पर रूसी हमले जैसे नियमों को ताक पर रखकर किए जाने वाले संयुक्त राष्ट्र चार्टर के उल्लंघनों को यदि न भी रोक सकें, तो भी कम से कम संयुक्त राष्ट्र के नाम पर इराक पर किए गए हमले जैसी विवादास्पद कार्रवाइयों को तो रोक सकें। यूक्रेन की अखंडता और संप्रभुता और फलस्तीनियों के अस्तित्व की रक्षा करने में संयुक्त राष्ट्र की बेचारगी दिखाती है कि उसकी संस्थाएं कितनी अयोग्य और अक्षम हो चुकी हैं। वैश्विक व्यवस्था को बहाल करने के लिए नाम के सुधारों की नहीं, बल्कि कारगर सुधारों की जरूरत है, जो मनमानी को रोक सकें। आतंकवाद की सर्वमान्य परिभाषा तय करने और उसकी रोकथाम के लिए वैश्विक रणनीति बनाने की भी जरूरत है, ताकि हमास, लश्कर और अल कायदा जैसे आतंकी संगठनों की रोकथाम की जा सके। साइबर, समुद्र और अंतरिक्ष में व्यवस्था कायम रखना भी बड़ी वैश्विक चुनौती है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में इन तीनों का जिक्र किया, क्योंकि इनमें असुरक्षा रहने से संचार से लेकर व्यापार तक हर पहलू प्रभावित होता है। इस समय विश्व के समक्ष सबसे बड़ी चुनौतियां हैं कृत्रिम मेधा और जलवायु परिवर्तन। कृत्रिम मेधा से प्रशिक्षित हो रहीं मशीनों का प्रभाव जीवन के हर क्षेत्र में पड़ने वाला है। इनका सही प्रयोग कायाकल्प कर सकता है तो दुरुपयोग के कल्पनातीत दुष्परिणाम भी हो सकते हैं। साइबर, संचार और जैविक आतंक के क्षेत्रों में इस तकनीक के दुरुपयोग की घातकता परमाणु हथियारों से कम नहीं है। इसलिए इसके दुरुपयोग की रोकथाम के लिए एक वैश्विक रणनीति की जरूरत है। जलवायु परिवर्तन की रोकथाम पर तो हमारा अस्तित्व ही निर्भर करता है।

इसलिए उस पर ऐसी बहुपक्षीय और बहुकोणीय रणनीति बनाने की जरूरत है, जो कारगर होने के साथ–साथ व्यावहारिक और न्यायसंगत भी हो। भारत इन वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए वैश्विक व्यवस्था में सुधारों की पैरवी और अगुआई तभी कर सकता है, जब वह अपने यहां भी समयोचित सुधारों में आगे रहने की मिसाल कायम करे। आर्थिक सुधारों की गाड़ी मंथर गति से अटक–अटक कर चल रही है। भूमि, श्रम और न्यायिक सुधारों की बात ही शुरू नहीं हुई है।

सक्षम स्पीच हियरिंग एंड आटिज्म केयर सेंटर उद्घाटन समारोह सम्पन्न

लखनऊ ब्यूरो चीफ

लखनऊ। सक्षम स्पीच हियरिंग एंड ऑटिज्म केयर सेंटर विकल्प खंड गोमती नगर लखनऊ का आज दिनांक 5–10–2024 को भव्य उद्घाटन का मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश शासन के पूर्व संयुक्त सचिव श्री शिव शंकर द्विवेदी द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर डाक्टर श्री द्विवेदी जी ने अपने वक्तव्य के माध्यम से विश्वास किया कि यह सेंटर एक साथ श्रवण बाधित, अस्थि बाधित और मानसिक रूप से समस्या ग्रस्त विशेष बालकों के निदान के लिए मील का पत्थर साबित होगा। कार्यक्रम के अध्यक्षता कर रहे श्री जितेंद्र दुबे जी सहायक पुलिस आयुक्त उत्तर प्रदेश लखनऊ ने कहा कि समाज में दिव्यांग लोगों के उपचार के लिए यह केंद्र उपयोगी रहेगा तथा समाज में ऐसे लोगों की सेवा करना ही धर्म है।

विशिष्ट अतिथि श्री मनीष शुक्ला प्रवक्ता भाजपा उत्तर प्रदेश ने दिव्यांग व्यक्तियों के कल्याण हेतु केंद्र के सफल संचालन के लिए साधुवाद दिया स प्रोफेसर विजय शंकर शर्मा विभाग अध्यक्ष विशेष शिक्षा श्री शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ में सभी प्रकार के दिव्यांगों की समस्याओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह केंद्र क्षेत्र के लोगों की समस्याओं का निदान करेगा स काइनेटिक दिव्यांग रिसर्च एंड रिहैबिलिटेशन केंद्र तथा अग्रणी दिव्यांग फाउंडेशन के निदेशक श्री शैलेंद्र मिश्रा जी ने आशा व्यक्त की कि समस्या ग्रस्त बालकों के लिए यह केंद्र समाज के मुख्य धारा से जोड़ने में सहायता रहेगा स

उद्घाटन समारोह का संचालन कर रहे डॉ. नीरज शुक्ला,अध्यक्ष, बी.एड विभाग राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय काशीपुर उत्तराखंड ने कहा कि इस समय उत्तर प्रदेश में लगभग 41 लाख दिव्यांग व्यक्ति हैं जिसमें 20% लोगों को चलने फिरने में समस्या है तो 19% दिव्यांग सुनने और देखने में समस्या ग्रस्त हैं इसी तरह से 7% श्रवण बाधित और 6% मानसिक रूप से बाधित हैं स ऐसी स्थिति में ऐसे केन्द्र निश्चित रूप से समाज के लिए उपयोगी भूमिका निभा सकते हैं। समारोह में उपस्थित सभी लोगों का आभार ज्ञापित करते हुए इस केंद्र के निदेशक डॉ कपिल मुनि दुबे जी आश्वस्त किया है कि श्रवण बाधित वाणी वाधित तथा मानसिक ग्रस्त व अस्थिबाधित लोगों की सभी प्रकार की समस्याओं के लिए स्पीच थेरेपी,ऑक्यूपेशनल थेरेपी, फिजियोथैरेपी तथा स्पेशल एजुकेशन के माध्यम से बच्चों का निदान कर बेसिक ज्ञान भी सिखाया जाएगा इस अवसर पर सब रजिस्टार श्री अवधेश मिश्रा डॉक्टर सचिन गिरी एम डी न्यूरोलॉजिस्ट राम मनोहर लोहिया लखनऊ, डॉक्टर सुधीर सिंह एम डी गैस्ट्रोलॉजिस्ट ,श्री हर्षित मिश्रा सांख्यिकी अधिकारी, श्री शेर बहादुर एस एच ओ 1090 लखनऊ,श्री नीलम पांडे ,संजय उपाध्याय,हिमांशु शुक्ला, रजनीकांत, शुभम चौहान ,अतुल वर्मा,आमिर,संदीप कुमार आदि उपस्थित रहे।

महिलाओं को किया गया पुलिस द्वारा जागरूक

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जफराबाद थाना क्षेत्र के यूनियन बैंक नेहरूनगर की शाखा पर शनिवार को पुलिस ने मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं तथा छात्राओ को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में ऊक्त ब्रांच में मौजूद महिलाओं व छात्राओ को सरकार द्वारा महिलाओं को दी जाने वाली विशेष योजना की जानकारी दी गयी। योजनाओं मे आपदा काल मे 1090,1098,1076,1930,181,112 तथा 108 हेल्पलाइन नम्बरो की विस्तृत जानकारी दी गयी। महिलाओं को उनके अन्य अधिकारों की भी जानकारी दी गई। यह जानकारी महिला आरक्षी उपासना सिंह तथा रीमा सिंह ने दिया। इस दौरान महिलाओं को शासन द्वारा महिला अधिकारों की पुस्तिका भी बांटी गई।

राजकीय आई0टी0आई0 में 10 अक्टूबर प्रातः 10.00 बजे रोजगार मेला का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिला सेवायोजन अधिकारी जय प्रकाश पासवान ने अवगत कराया है कि निदेशक, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन उ0प्र0 एवं जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में राजकीय आई0टी0आई0 जौनपुर में 10 अक्टूबर 2024 को प्रातः 10.00 बजे रोजगार मेला का आयोजन किया गया है। जिसमें निजी क्षेत्र की 10 कम्पनियों के द्वारा प्रतिभाग किया जाना है। जिसकी शैक्षित योग्यता हाईस्कूल, इण्टर, आई0टी0आई0 एवं स्नातक उत्तीर्ण आयुसीमा 18 से 35 वर्ष के अभ्यर्थियों को कैम्पस सलेक्शन करेंगी। जिसमें अभ्यर्थी अपने योग्यतानुसार प्रतिभाग करते हुए विभिन्न पदों पर साक्षात्कार के माध्यम से रोजगार प्राप्त करें। जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया कि रोजगार मेला में सम्मिलित होने के लिए अभ्यर्थियों को अपने साथ समस्त शैक्षिक अभिलेखों की छायाप्रति आई0डी0 प्रूफ बायोडाटा सहित प्रतिभाग करेंगे एवं सेवायोजन वेब पोर्टल rojgaar sangam .up .gov.in के माध्यम से पंजीकरण कर अभ्यर्थियों को अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करने की अपील की है।

तहसीलदार एवं पुलिस बल के साथ भूमि कब्जा मुक्तकराये - मंगला

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) आज तहसील सवायजपुर में आहूत सम्पूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने उपस्थित जिला स्तरीय अधिकारियों से कहा कि गरीब एवं पात्र लोगों को लाभान्वित करने हेतु अपनी विभागीय योजनाओं का क्रियान्वयन पूर्ण रूप से निष्पक्ष रहकर गुणवत्ता एवं ईमानदारी से करायें। तहसील क्षेत्र में सरकारी एवं गरीबों की जमीन पर अवैध कब्जों की शिकायतों के सम्बन्ध में सख्त नाराजगी व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी ने सभी कानूनगो तथा लेखपालों को निर्देश दिये कि अपने क्षेत्र में सरकारी एवं गरीबों की भूमि पर किये गये अवैध कब्जों का चिन्हांकन करें और पैमाइश कराकर अवैध रूप से कब्जा की गयी सभी भूमि को तहसीलदार एवं पुलिस बल की उपस्थित में कब्जा मुक्त कराये और अवैध कब्जा करने वालों पर तत्काल एफआईआर दर्ज कराकर विधिक कार्यवाही सुनिश्चित करें। विद्युत विभाग की शिकायतों के सम्बन्ध में उन्होने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि क्षेत्र के खराब ट्रास्फारमर एवं जर्जर विद्युत लाइन तत्काल बदलवायें और रोस्टर के अनुसार विद्युत आपूर्ति कराने के साथ ग्रामीण विद्युत उपभोक्ताओं की समस्याओं का त्वरित समाधान कराने का प्रयास करें। पेंशन संबंधी शिकायतों के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि जिन गरीब पेंशनरों की पेंशन नाम आदि में गलती या अन्य किसी कारणवश बन्द हो गयी है उनका सत्यापन कराकर पात्र लोगों

की पेंशन शीघ्र बहाल करायें और नये पेंशन आवेदनों का ब्लाक एवं नगरीय निकायों से सत्यापन कराने के उपरान्त स्वीकृति हेतु विभाग को प्रेषित करें। निर्माण कार्यो के सम्बन्ध में जिलाधिकारी समस्त संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये सभी निर्माण कार्यो में शासन द्वारा निर्धारित मानक एवं गुणवत्ता पर विशेष ध्यान रखें। उन्होने अधिकारियों को निर्देश दिये कि नियमित कार्यालय में बैठकर आने वाले फरियादियों की शिकायतों को स्वयं देखें और उनका ससमय निस्तारण करायें और इसके साथ ही मुख्यमंत्री पोर्टल, शासन, सम्पूर्ण समाधान एवं थाना समाधान दिवस से प्राप्त होने वाली शिकायतों का निस्तारण भी ससमय एवं गुणवत्ता पूर्ण करायें। जिलाधिकारी ने कहा कि सरकार की लाभकारी योजनाओं, निर्माण कार्यो एवं जन शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही तथा शिथिलता बरतने वाले अधिकारियों पर कड़ी कार्यवाही की जायेगी। तहसील सम्पूर्ण समाधान दिवस में आयी शिकायतों के संबंध में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिये आज प्राप्त शिकायतों का निस्तारण अगले सम्पूर्ण समाधान दिवस से पूर्व आवश्यक करायें।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने उपस्थित थानाध्यक्षों को निर्देश दिये कि वर्तमान त्यौहारी मौसम को ध्यान में रखते हुए क्षेत्र में दिन एवं रात्रि गस्त बढ़ाने के साथ क्षेत्र में शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के लिए अपराधी, आराजक, आसामाजिक एवं दंबग लोगों पर विशेष नजर रखे और भीड़–भाड़ वाले चौराहों व अन्य स्थानों पर सादी वर्दी में पुरुष एवं महिला पुलिस की अतिरिक्त तैनाती करें और सरकारी एवं गरीबों की अवैध भूमि कब्जा मुक्त कराने में राजस्व विभाग की टीम के साथ समन्वय बनाकर कार्य करें। उन्होने कहा कि थाने पर आने वाले हर फरियादी की शिकायत को गम्भीरता से लें और निष्पक्ष जांच में दोषी पाये जाने वाले व्यक्ति के विरूद्व नियमानुसार कड़ी कार्यवाही करें। सम्पूर्ण समाधान दिवस में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 रोहताश कुमार, डीएफओ, उप जिलाधिकारी, तहसीलदार, जिला विकास अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार सहित जिलास्तरीय अधिकारी, ईओ, बीडीओ, सीडीपीओ आदि अधिकारी उपस्थित रहें।

राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान से सम्मानित हुए डा. अम्बिकेश त्रिपाठी

अयोध्या। अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में चौधरी केहर सिंह एजुकेशनल ट्रस्ट,बड़ौत द्वारा एक शैक्षिक उन्नयन गोष्ठी एवं राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन भगवती कॉलेज ऑफ फार्मेसी कोताना रोड़ बड़ौत में किया गया।कार्यक्रम में भारत के 22 राज्यों से उत्कृष्ट शिक्षकों को "सर्वपल्ली डॉ० राधाकृष्णन सम्मान" से सम्मानित किया गया।उत्तर प्रदेश से अयोध्या के गणित शिक्षक डॉ अम्बिकेश त्रिपाठी को उत्तर प्रदेश के सभी शिक्षकों के लिए आधारशिला एवं शिक्षण संग्रह के साथ साथ बच्चों की सुरक्षा एवं संरक्षा मॉड्यूल, निपुण भारत मिशन के अन्तर्गत सभी शिक्षकों के लिए आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका गणित के मॉड्यूल लेखन और सत्र 2024 – 25 में कक्षा 4 और 5 में रोचक ढंग से गणित शिक्षण हेतु शिक्षण योजना निर्माण का कार्य किए जा रहे राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान से सांसद, बागपत डॉ राजकुमार सांगवान द्वारा सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद बागपत डॉक्टर राजकुमार सांगवान, विशिष्ट अतिथि अश्विनी तोमर अध्यक्ष नगर पालिका परिषद बड़ौत, पंकज वर्मा अपर जिलाधिकारी बागपत, अमरचंद वर्मा उप जिलाधिकारी बागपत, वरुण तोमर प्रवक्ता जनता वैदिक कॉलेज बड़ौत, विनय कुमार बरसर मेरठ कॉलेज मेरठ, डॉक्टर घनश्याम दास वरिष्ट लेप्रो सर्जन, डॉक्टर राजेन्द्र कुमार कैंसर रोग विशेषज्ञ एवं डॉक्टर विकास वशिष्ठ बड़ौत उपस्थिति रही।कार्यक्रम के संयोजक डॉक्टर मनीष तोमर सचिव चौधरी केहर सिंह एजुकेशनल ट्रस्ट ने बताया कि ट्रस्ट के माध्यम से गत तीन वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों का सम्मान किया जा रहा है।उन्होंने शिक्षकों को एक वर्ग बताया जो किसी भी जाति अथवा धर्म के बन्धन से मुक्त होते हैं और सभी बच्चों को बिना किसी भेदभाव के समान दृष्टि से शिक्षित करते हुए राष्ट्र भावी पीढ़ी का निर्माण करते हैं।इस मौके पर मुख्य अतिथि सांसद डॉक्टर राजकुमार सांगवान जी ने अपने स्कूल के दिनों को याद करते हुए "शिक्षक हैं राष्ट्र निर्माता कल के भाग्य विधाता" वाक्य के साथ सम्बोधित करते हुए सभी सम्मानित शिक्षकों को शुभकामनाएं दी और सभी शिक्षकों को शिक्षा के उन्नयन के लिए इसी प्रकार अनवरत कार्य करते रहने हेतु प्रोत्साहित किया।

दिन दहाड़े युवक की हत्या क्षेत्र में सनसनी

सुल्तानपुर। कोतवाली देहात थाना अंतर्गत तिवारीपुर कुटीवा गांव में अठारह वर्षीय युवक की धारदार हथियार से हत्या। दिनदहाड़े हुई वारदात से फैली सनसनी। मृतक गोलू वर्मा पुत्र शिवलाल वर्मा नाम से युवक की पहचान। लोहारन का पुरवा पीपर पुर निवासी बताए जा रहे हत्यारे। गांव वालों ने कोतवाली देहात पुलिस को दी सूचना, इंस्पेक्टर सत्येन्द्र कुमार सिंह मयफोर्स घटना स्थल पर मौजूद।

एसपी सोमेन वर्मा बोले,आपसी विवाद में हुई वारदात। जांच पड़ताल कर जल्द किया जाएगा मामले का खुलासा।

खेलकूद मैदान के रूप में विकसित होगा जीआईसी ग्राउंड

सुल्तानपुर। शहर विधायक एवं पूर्व मंत्री विनोद सिंह की पहल पर जीआईसी ग्राउंड को खेलकूद समेत अन्य गतिविधियों के लिए सुरक्षित किया जा रहा है। 27 लाख 50 हजार के मद से स्थाई बैरिकेडिंगध बाउंड्री वॉल निर्माण कार्य के लिए जिला विद्यालय निरीक्षक की मौजूदगी में जीआईसी प्राचार्य मनोज कुमार मिश्रा द्वारा शुक्रवार को भूमि पूजन किया गया।

अवस्थापना मद से पीडब्ल्यूडी ईकाई निर्माण कार्य की जिम्मेदारी संभालेगी। शुक्रवार को जिला विद्यालय निरीक्षक रविशंकर, जीआईसी के प्राचार्य मनोज कुमार मिश्रा, खंड शिक्षा अधिकारी उदय राज मौर्य और शहर विधायक के सहयोगी राजेश कुमार पांडेय की मौजूदगी में इसकी शुरुआत की गई। जीआईसी ग्राउंड पर अनावश्यक अतिक्रमण की समस्या से निजात मिल जाएगी। खेलकूद के साथ अन्य प्रशासनिक कार्यक्रम भी यहां आयोजित किए जा सकेंगे। पूर्व बीएसए दीपिका चतुर्वेदी व जीआईसी प्राचार्य ने इसका प्रस्ताव तैयार कर शहर विधायक को भेजा था। स्थानीय लोगों ने भी इस पहल का स्वागत किया है। खेल प्रेमियों ने लंबे समय बाद हुए इस कार्यक्रम के लिए शहर विधायक को धन्यवाद ज्ञापित किया है। इस मौके पर दिनकर प्रताप सिंह,पवन कुमार, अरुण तिवारी आदि लोग मौजूद रहे।

देश को तोड़ने वाले दो पैर के भेडियो को पहचानना है और उनका मुंह तोड़ जवाब देना है

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

फतेहपुर। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद फतेहपुर में आज अमर शहीद नायक शुभम सिंह गौतम 6 पारा की दूसरी पुण्यतिथि पर उनके पैतृक गांव मोहार जनपद फतेहपुर मे भव्य आयोजन किया ! अमर शहीद नायक शुभम सिंह 4 अक्टूबर 2022 को शहीद हो गए थे! इस कार्यक्रम में कानपुर प्रांत से कर्नल बीएस राठौर, मेजर बीएस तोमर ,सूबेदार मेजर पुष्पेंद्र सिंह भदोरिया ,सूबेदार हरमोहन सिंह, वारंट ऑफिसर एसएन सिंह, नायब सूबेदार पीके यादव , ए सी दिलीप दीक्षित तथा अन्य कानपुर से आए 15 पूर्व सैनिकों ने भाग लिया ! कार्यक्रम का आयोजन कैप्टन पीतांबर सिंह अध्यक्ष अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद फतेहपुर ने किया कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्वलन तथा संगठन गीत गाकर

प्रारंभ किया! कैप्टन पीतांबर सिंह ने सभी अतिथियों को प्रतीक चिन्ह देकर उनका सम्मान किया।

शाहिद नायक शुभम सिंह कि इस पुण्यतिथि पर लगभग 250 पूर्व सैनिक मातृशक्ति/सिविलियन और स्कूल से आए छात्र–छात्राओं ने भाग लिया ! कर्नल बीएस राठौर अध्यक्ष कानपुर प्रांत और सूबेदार मेजर पुष्पेंद्र सिंह ने अमर शहीद शुभम के माता–पिता को अंग वस्त्र भेंट करके उनका सम्मान किया ! मेजर बीएस तोमर ने अपने उद्घोषक भाषण में देश की हालातो के बारे में जानकारी दी तथा सभी को चेताया , समाज में असामाजिक तत्व देश का बंटवारा करने की कोशिश कर रहे उनसे हम सभी को सजग और सावधान रहना है ! देश को तोड़ने वाले दो पैर के भेडियो को पहचानना है और उनका मुंह तोड़ जवाब देना है ! इस कार्यक्रम की कुछ झलकियां !

तालाब की वजह से चौरा माता मंदिर का चबूतरा गिरा, ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। नगर पंचायत में स्थित मोहल्ला चक महमूद ने मछली पालन के लिए खोदे गए तलाब से गांव के चौरा माता मंदिर का चबूतरा ध्वस्त हो गया। गांव वालो ने तालाब खोदवाने वाले व्यक्ति से कई बार शिकायत किया। कोई सुनवाई न होने पर शनिवार को गांव के दर्जनों महिला पुरुष क्रोधित होकर शनिवार को सुबह विरोध प्रदर्शन करने लगे। सूचना पर पहुंची जफराबाद पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर तालाब को पटवाने तथा पक्की नाप कराकर जगह को सुरक्षित करने की मांग किया। चौकी इंचार्ज के आश्वासन पर गांव वाले शांत हुए। उक्त मोहल्ला निवासी अजहर शाह ऊर्फ रिंकू नाम का युवक कुछ वर्ष पहले गांव के चौरा के चबूतरे के किनारे मछली पालने के लिए तालाब खुदवा दिया। उक्त तालाब से चौरा माता का चबूतरा इस बरसात में टूट कर गिर गया। गांव के लोग इसकी शिकायत उक्त युवक से कई बार किया। गांव वालों ने कहा कि पिछले कई पीढ़ी से उक्त स्थान पर चौरा माता का पूजन किया जाता है। उक्त युवक चौरा माता के मंदिर के बगल में जबरदस्ती मछली पालन हेतु तालाब खुदवा दिया। उक्त तालाब उसके स्वयं के जमीन में नहीं है। गांव के आस्था के केंद्र को प्रभावित होते देख अंत में गांव वालों का गुस्सा फूट गया। शनिवार को सुबह उक्त स्थान पर पूजन अर्चन करने वाले दर्जनों ग्रामीण महिला, पुरुष, बच्चे इकट्ठे होकर प्रदर्शन करने लगे। मामले की जानकारी जाफराबाद चौकी इंचार्ज मनोज राय को हुई। तत्काल उन्होंने अपने हमराहियों को मौके पर भेजा। मौके पर पहुंचे पुलिस को प्रार्थना पत्र दिया। उक्त स्थान की पक्की पैमाइश की मांग किया। जबरदस्ती तालाब व कब्जा से बेदखल करने की मांग किया। तालाब को तत्काल पटवाने की मांग किया। मंदिर के ध्वस्त चबूतरे की मरम्मत की मांग किया। मामले में चौकी इंचार्ज मनोज राय ने कहा कि तालाब खोदवाने वाले युवक की तलाश की जा रही है। गांव वालों को समझा बूझकर शांत कराया गया है। मामले की जानकारी उच्च अधिकारी तथा लेखपाल को दे दी गई है। नाप करने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

सांसद रामभुआल निषाद के खिलाफ शुक्रवार को गैर जमानती वारंट जारी किया

सुलतानपुर। गोरखपुर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट धविशेष न्यायाधीश एमपी–एमएलए ज्ञानेंद्र कुमार ने बड़हलगंज थाना क्षेत्र के दवनाडीह निवासी के सपा से सांसद रामभुआल निषाद के खिलाफ शुक्रवार को गैर जमानती वारंट जारी किया है। साथ ही एसएचओ बड़हलगंज को नोटिस भी जारी किया। न्यायालय की ओर से प्रक्रिया जारी करने के बावजूद न्यायालय में उपस्थित न होने पर कोर्ट ने वारंट जारी किया है।जानकारी के अनुसार, वर्ष 2015 में मृतक का शव पुलिस की देख–रेख में दाह संस्कार के लिए लाया जा रहा था। आरोपी रामभुआल निषाद के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों ने शव को पटना चौराहे पर सड़क के बीचोबीच रखकर राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम कर दिया था। इससे आवागमन बाधित हो गया। थानाध्यक्ष प्रभातेश कुमार और उनके हमराहियों ने जाम खुलवाने का प्रयास किया गया तो आरोपी और उनके सहयोगी पुलिस के साथ गालीगलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देने लगे। इससे शांति व्यवस्था छिन्न–भिन्न हो गई थी।

अयोध्या की रामलीला में माता की भूमिका निभाना सौभाग्य की बात – रिया सिंघा

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। दुनिया के कोने कोने से 50 करोड़ से अधिक रामभक्त अयोध्या की रामलीला को देख रहे हैं। मुझे अयोध्या की रामलीला में माता सीता की भूमिका करने का सौभाग्य मिल रहा है। जो हमारे लिए काफी खुशी की बात है।यह बातें शनिवार को पत्रकार वार्ता में सीता की भूमिका में नजर आने वाली मिस यूनिवर्स रिया सिंघा ने कही। उन्होंने कहा कि अयोध्या की रामलीला विश्व की सबसे बड़ी रामलीला है जिसमें मैं माता सीता का किरदार निभाऊंगी।भगवान राम की जन्म भूमि में मुझे काम करने का मौका मिला।मैं अयोध्या वासियों का धन्यवाद करती हूं।इस मौके पर अयोध्या की रामलीला के फाउंडर अध्यक्ष (सुभाष मालिक)और महासचिव (शुभम मलिक) ने संयुक्त रुप से कहा कि शनिवार को मिस यूनिवर्स रिया सिंघा मां सीता के भूमिका का किरदार निभाती हुई नजर आएंगी। मिस यूनिवर्स रिया सिंघा ने बोला कि मैं अध्यक्ष सुभाष मलिक और महासचिव शुभम मलिक का धन्यवाद करती हूं उन्होंने बोला कि भगवान राम की जन्मभूमि मे मुझे काम करने का मौका मिला।जिसे मैं मां सीता का किरदार निभाऊंगी।मैं अयोध्या वासियों का धन्यवाद करती हूं अयोध्या की रामलीला विश्व की सबसे बड़ी रामलीला है। सुभाष मलिक जी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक और अयोध्या कमिशनर गौरव दयाल, आईजी प्रवीण कुमार,डीएम चंद्र विजय सिंह, एसएसपी राज करन नय्यर, संतोष और साधु संतों के आशीर्वाद से अयोध्या की रामलीला का प्रारंभ हुआ।

बताते चलें कि इस बार अयोध्या की रामलीला में बड़े–बड़े फिल्म स्टार जैसे– रिंकु राजा दशरथ की भूमिका में , प्रतिभा सुमित्रा जी की भूमिका में ,मुंबई के अभिनेता कुमार कन्हैया सिंह श्रवण कुमार की भूमिका में , तड़का की भूमिका में जोड़िंदर हासी हरियाणा से , राम मिश्रा जी विश्वामित्र,मोनू मान हरियाणा फतेहाबाद से गुरु वशिष्ठ की भूमिका में नजर आएंगे।

दुर्गा पूजा व रामलीला पंडाल के आसपास बरतें सावधानी पदाधिकारी – सीएफओ

अयोध्या। दुर्गा पूजा,रामलीला व दशहरा पर्व को सकुशल संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन,पुलिस प्रशासन के अधिकारी व कर्मचारी केन्द्रीय दुर्गा पूजा व रामलीला समिति के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर अंतिम रुपरेखा देने में जुटे हुए हैं।इसी के तहत कोतवाली नगर क्षेत्र के कोहिनूर पैलेस में अग्निशमन विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों ने दुर्गा पूजा व रामलीला पंडालों की आग से बचाव के लिए अग्निशमन उपकरणो का प्रशिक्षण दिया गया।इस मौके पर मुख्य अग्निशमन अधिकारी एमपी सिंह ने अग्निशमन द्वितीय अधिकारी प्रदीप कुमार पाण्डेय व अन्य अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों की मदद से आग पर कैसे काबू पाया जाए रिहर्सल के माध्यम से बताया।उन्होंने बताया कि अगर किसी भी रामलीला मंचन व दुर्गा पूजा पंडाल के पास किसी भी तरह की आग संबंधी घटना घटित होती है तो घबरायें नहीं। बल्कि उसे काबू करने की कोशिश करे। उन्होंने सभी दुर्गा पूजा व रामलीला समिति के पदाधिकारियों से अपील किया कि पंडाल के पास पर्याप्त मे पानी से भरे बाल्टी, बाल्टी में भरे बालू,मानक के मुताबिक अग्निशमन यंत्र आदि का प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि पंडाल में आने जाने के दो द्वार हो।एक ओर से जाये और दूसरी ओर से वापस आये। मार्ग संकरा न हो और पंडाल का निर्माण बिजली के तारों के नीचे व ट्रांसफार्मर के समीप न हो। बिजली के वायरिंग खुले न हो और लोहे के खंभों का प्रयोग टेंट में न हो। इसके अलावा उन्होंने आग से बचाव संबंधित कई महत्वपूर्ण जानकारियां वहां पर मौजूद अधिकारियों व लोगों को दिया।इस मौके पर एसपी सिटी मधुवन कुमार सिंह,प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्विनी पाण्डेय, केन्द्रीय दुर्गा पूजा व रामलीला समिति के अध्यक्ष मनोज जायसवाल, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष विजय गुप्ता सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

रक्तदान संस्थान के द्वारा रक्तदाताओं ने शेखर मिश्र के नेतृत्व में किया रक्तदान

मछलीशहर। क्षेत्र के रीठी निवासी एक गर्भवती महिला डेंगू पीड़ित हो गई, जिसका उपचार शिवाय क्लिनिक जौनपुर में चल रहा था इसी दौरान महिला की डिलीवरी भी होनी थी , आकस्मिक डेंगू पीड़ित होने के कारण महिला का प्लेटलेट्स 13000 हो गया था जिससे महिला की स्थिति नाजुक बनी हुई थी, इसकी खबर रक्तदान संस्थान को लगी, रक्तदान संस्थान के प्रमुख कार्यकर्ता पंडित महेश दुबे ने अपने सहयोगी कार्यकर्ता पंडित शेखर मिश्रा के माध्यम से श्री राम मेमोरियल ब्लड बैंक मछलीशहर में ब्लड डोनेट करवा कर महिला की जान बचाई। उक्त महिला की जान बचाने के लिए श्री सत्य प्रकाश त्रिपाठी, सूर्य प्रकाश त्रिपाठी, सौरभ सिंह , सौरभ मिश्रा, प्रेमचंद मिश्रा, आर्यन सिंह , विकाश मिश्रा , अंकित मिश्रा , अंकुश मिश्रा , नीरज मिश्रा , अभय पांडे, सचिन आदि ने शेखर मिश्रा के नेतृत्व में भरपूर रक्तदान कर महिला की जान बचाने में भरपूर सहयोग किया। शेखर मिश्रा ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को चाहिए की किसी भी इंसान की जान बचाने के लिए समय समय पर रक्तदान करना चाहिए आपका एक सफल रक्तदान किसी की जान बचा सकता है।

नैनो यूरिया और जैविक खाद के प्रचार प्रसार वाहन को जिला कृषि अधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

अयोध्या। भारत सरकार द्वारा संचालित पीएम–प्रणाम और नैनो के प्रचार प्रसार के कार्यक्रम को जिला कृषि अधिकारी अयोध्या ओम प्रकाश मिश्र के निर्देशन पर हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड कंपनी के द्वारा नैनो यूरिया और जैविक खाद के उपयोग के प्रचार प्रसार के लिए जनपद के सभी विकास खंडों में कृषि संबंधित सभी जानकारी को किसान भाइयों तक पहुँचाने के लिए संचालित प्रचार वाहन को विकास भवन से जिला कृषि अधिकारी श्री ओ पी मिश्र ने हरी झंडी दिखाकर गंतव्य के लिए रवाना किया।उक्त अवसर पर कंपनी के अधिकारी ने नैनो यूरिया और जैवक खाद के प्रचार वाहन को हर विकास खंड में किसान भाइयों तक भेजकर उसके उद्देश्य के बारे में अवगत कराया।उन्होंने बताया कि यूरिया के वैकल्पिक उर्वरक नैनो

यूरिया और जैविक खाद के फसल में उपयोग करने से पर्यावरण संरक्षण में सहयोग मिलेगा और परिवहन व्यय कम होगा और कम लागत में उत्पादन अधिक होगा और किसान भाइयों के आय में वृद्धि होगी । इस मौके पर जिला कृषि अधिकारी अयोध्या श्री ओम प्रकाश मिश्र जी ने बताया कि यह प्रचार वाहन आज 5 अक्टूबर से 14 अक्टूबर तक हर विकास खंड में जाकर किसान भाइयो को जागरूक करेगा।इस अवसर पर जिला कृषि अधिकारी ओम प्रकाश मिश्र जी के साथ हिन्दुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड के कंपनी प्रतिनिधि दुर्गेश तिवारी भी मौजूद रहे।

टीच टाइटन्स ए टेक्नोलॉजी फीस्ट का आयोजन

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ । लखनऊ पब्लिक स्कूल आनंद नगर शाखा में छात्र छात्राओं द्वारा टीच टाइटन्स ए टेक्नोलॉजी फीस्ट का आयोजन किया गया। जिसमे बेवसाइट पर काम करने के आधुनिक तरीके इस्तेमाल कर कम समय में अधिक जानकारी उपलब्ध कैसे कर सकते हैं। इसका प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर लखनऊ पब्लिक स्कूल – कॉलेजेस से आए मुख्य अतिथि के रुप में नोएल साइमंड्स एशले, व नमन चौधरी जी को स्कूल की प्रधानाचार्य श्रीमती मीना तिवारी व सुनंदा जी द्वारा पुष्प गुच्छ देकर अभिनंदन किया गया। छात्र–छात्राओ ने सोशल मीडिया के माध्यम से अनेक तरह की टेक्नोलॉजी के प्रदर्शन किए। कार्यक्रम में मौजूद इंचार्ज अपर्णा जी व प्रियम मिश्रा जी सहित समस्त अध्यापक गण ने भूरी भूरी प्रशंसा की व इनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

सड़क सुरक्षा पखवाड़ा दिवस के तहत 52 बस चालकों का हुआ स्वास्थ्य व नेत्र परीक्षण

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। सड़क सुरक्षा पखवाड़ा दिवस के तहत शनिवार को अयोध्या डिपो बस स्टेशन परिसर में व्यावसायिक वाहन चालकों का स्वास्थ्य एवं नेत्र परीक्षण किया गया। इस मौके पर नेत्र चिकित्सको द्वारा 52 ड्राइवरो को नेत्र परीक्षण का उचित परामर्श दिया गया।जिसमें 04 ड्राइवरो की आंखें कमजोर मिलने पर उन्हें चश्मे का नम्बर दिया गया।इस मौके पर एआरटीओ (प्रवर्तन) प्रवीण कुमार सिंह ने ट्रक चालको से अपील किया कि आप सभी को समय–समय पर अपने आखों की जॉच अवश्य करानी चाहिए।कई बार आंखों की रोशनी कम हो जाती है और हमें इसका पता नही चल पाता है।

उन्होने कहा कि वाहन चाहें भारी हो या फिर हल्के उसे चलाने के लिये दृश्यता का होना सबसे महत्वपूर्ण है।पीटीओ राजेश कुमार ने उपस्थित चालक, परिचालको को यातायात नियमो की जानकारी देते हुए कहा कि नशा, नींद, तेज रफ्तार सड़क हादसों की प्रमुख वजह हैं।यातायात के नियम सड़क हादसों को रोकने में सहायक है।एआरएम आदित्य प्रकाश ने कहा कि यातायात के नियमो का नियमित प्रयोग कर सड़क हादसों को न्यूनतम स्तर तक ले जाया जा सकता है।उन्होने कहा कि बस चालको पर सवारियो को सुरक्षित गन्तव्य तक पहुॅचाने की जिम्मेदारी होती है परिचालक सवारियो से सदाचार पूर्ण व्यवहार करें। कार्यक्रम में यातायात चिन्हयुक्त लीफलेट एवं पम्फलेट वितरित किये गये तथा सभी को यातायात नियमो की शपथ दिलायी। कार्यक्रम में यातायात निरीक्षक अजय कुमार,मुख्य आरक्षी यातायात रणविजय यादव,मनोज जायसवाल, गोविन्द सिंह, भगौतीदीन, धर्मेन्द्र विश्वकर्मा, रोडवेज फोरमैन डी0पी0 सिंह, वी0के0 मिश्रा आदि मौजूद रहे।

पर्यावरण संतुलन में वन्य जीवों की भूमिका अहम

वाराणसी, संवाददाता। सारनाथ मिनी जू और डियर पार्क में वन्य जीच प्राणी सप्ताह का आयोजन किया गया। इसी क्रम में वन्यजीव फोटो प्रदर्शनी भी लगाई गई। प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि आईएफएस डॉ. रवि सिंह, विशिष्ट अतिथिगण सीआरपीएफ कमांडेंट वाला पुरकर, प्रभागीय वनाधिकारी स्वाति ने किया। वहीं, डॉ. रवि सिंह ने वन्यजीव फोटो प्रदर्शनी की गुणवत्ता की तारीफ की। कहा कि वन्यजीवों को घरों में पालतू बनाकर नहीं रखना चाहिए, यह अपराध की श्रेणी में आता है। पर्यावरण संतुलन में वन्यजीवों की भूमिका अहम होती है। सीआरपीएफ कमांडेंट वाला पुरकर ने कहा कि वन्यजीवों के बिना मानव जीवन संभव ही नहीं है। वन्यजीवों के संरक्षण से पर्यावरण को बचाया जा सकता है। कार्यक्रम में निबंध प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न स्कूलों के छात्र–छात्राओं ने भाग लिया, इसका विषय वन्य जीवों पर आधारित था। विजेता प्रतिभागियों को अतिथियों के हाथों स्मृति चिन्ह देकर के पुरस्कृत किया गया। इस दौरान सारनाथ मिनी जू और डियर पार्क में उपस्थित लगभग 200 स्कूली बच्चे व 150 स्थानीय नागरिकों को सारनाथ मिनी जू डियर पार्क का भ्रमण भी कराया गया। कार्यक्रम का संचालन नवनीत मिश्रा व धन्यवाद ज्ञापन उपप्रभागीय वनाधिकारी राकेश कुमार ने किया।

बिना हेलमेट लगायें पुलिस लाइन परिसर में प्रवेश वर्जित

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। एसएसपी राज करन नय्यर ने यातायात व पुलिस कर्मियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि ऐसे दो पहिया वाहन चालक जो बिना हेलमेट व चार पहिया वाहन चालक जो बिना सीट बेल्ट लगायें मिले तो उनके वाहनों का चालान काटे और कमियां मिले तो उसे सीज करें। कोतवाली नगर सहित जिले के और थाना क्षेत्रों को छोड़िए पुलिस लाइन के अंदर चाहे वह पुलिस कर्मी हो अन्य वाहन चालक जो वाहन चलाते समय बिना हेलमेट व सीट बेल्ट लगाते हुए पाया जाता है तो यातायात नियमों के मुताबिक उन वाहन चालकों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जायेगी।इसके लिए एसएसपी राज करन नय्यरद्ध व एसपी यातायात के निर्देश पर यातायात निरीक्षक अजय कुमार यादव ने अपने कर्मियों के साथ पुलिस लाइन के सभी गेटों पर

इस संबंध में सूचना चस्पा कर दिया है।इस संबंध में यातायात निरीक्षक अजय कुमार यादव ने बताया कि अभी इधर एक दो दिन तक बिना हेलमेट व सीट बेल्ट लगायें वाहन चालकों को हिदायत दी जा रही है।शीघ्र ही पुलिस लाइन परिसर में बिना हेलमेट व सीट बेल्ट लगायें कोई भी वाहन चालक दिखाई देता है तो यातायात नियमों के तहत उसके खिलाफ कार्रवाई की जायेगी। चाहें क्यों न वह पुलिस कर्मी ही हो।बताते चलें इस समय सड़क सुरक्षा पखवाड़ा दिवस भी मनाया जा रहा है।उसी के तहत कोतवाली नगर, कोतवाली अयोध्या, थाना कैंट, थाना राम जन्मभूमि, थाना महाराजगंज, थाना गोसाईगंज, थाना इनायत नगर, थाना कुमारगंज, थाना खंडासा, कोतवाली बीकापुर, थाना तारुन, थाना हैदरगंज, थाना पटरंगा, थाना बाबा , थाना पूरा कलंदर सहित अन्य थाना क्षेत्रों में संबंधित प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्ष सघन वाहन चेकिंग अभियान चला रहे हैं। इस संबंध में यातायात निरीक्षक अजय कुमार यादव ने वाहन चालकों से अपील किया है कि सभी वाहन चालक वाहन चलाते समय सीट बेल्ट व हेलमेट का प्रयोग करें व साथ मे वाहनों के कागजात अपने पास रखे।

सीएम ने राधा माधव होलसेल फैमिली मार्ट का किया उद्घाटन

गोरखपुर, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन सिविल लाइंस क्षेत्र में राधा माधव होलसेल फैमिली मार्ट का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने पूरे प्रतिष्ठान का अवलोकन किया और प्रतिष्ठान संचालकों और कर्मचारियों को बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि यहां लोगों को उचित कीमतों पर अच्छी गुणवत्ता के हर प्रकार के टेक्सटाइल उत्पाद उपलब्ध होंगे। गुरुवार शाम मुख्यमंत्री ने पहले फीता काटकर और प्रतिष्ठान में नियत पूजन स्थल पर पुष्प अर्पण कर राधा माधव होलसेल फैमिली मार्ट का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने भूतल समेत प्रतिष्ठान के सभी चार तलों पर बनाए गए रिटेल काउंटरों अवलोकन और निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्वागत करते हुए प्रतिष्ठान के निदेशक देवीदयाल अग्रवाल ने उन्हें बताया कि इस रिटेल प्रतिष्ठान में हर उम्र वर्ग के लोगों के लिए सभी प्रकार के वस्त्रों की विस्तृत श्रृंखला थोक दर पर उपलब्ध है। उन्होंने प्रदेश में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ कर व्यापार के लिए बेहतरीन माहौल बनाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद दिया और कहा कि कारोबार बढ़ने से बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार भी मिल रहा है। इस अवसर पर महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी, एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक विपिन सिंह, राधा माधव होलसेल फैमिली मार्ट के निदेशक दीनदयाल अग्रवाल, सुपरिचित उद्यमी चंद्र प्रकाश अग्रवाल, श्याम जी गोयल, अशोक खेमका, राजकुमार खेतान, गीता प्रेस के उत्पाद प्रबंधक लालमणि तिवारी, राधेश्याम अग्रवाल, नवीन, निकुंज, हरि अग्रवाल, रचित अग्रवाल, पार्थ अग्रवाल आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में युवक की मौत

वाराणसी, संवाददाता। वाराणसी के चौबेपुर थाना क्षेत्र में पहाड़िया–बलुआ मार्ग पर स्थित लखरांव प्रह्लादपुर में बटाऊबीर बाबा मंदिर के सामने बीती रात करीब 9 बजे दो बाइक सवारों में आमने–सामने भिड़ंत हो गई, जिसमें एक की मौत हो गई और दूसरा घायल हो गया। ग्राम पंचायत गौरा कलां के आराजी नेवादा गांव निवासी वकील कुमार (27) पुत्र गोपाल चिकित्सालय में भर्ती अपने रिश्तेदार को खाना लेकर बाइक से चन्द्रा चौराहे की ओर जा रहा था। वह बटाऊबीरबाबा मंदिर के सामने पहुंचा विपरीत दिशा से बाइक से आ रहे पुलिसकर्मी से आमने–सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। दोनों सड़क पर गिर कर छटपटाने लगे। दोनों को गम्भीर चोटें आईं थीं। ग्रामीणों ने दोनों को सड़क किनारे करने के बाद पुलिस कंट्रोल रूम 112 नंबर पर सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस घायलों को लेकर सीएचसी नरपतपुर पहुंची, जहां चिकित्सकों ने वकील कुमार को मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल पुलिस कर्मचारी रमेश यादव को ट्रॉमा सेंटर के लिए रेफर कर दिया। मृतक दो भाइयों में दूसरे स्थान पर था। वह ठेला लगाने के काम के साथ मजदूरी कर जीवकोपार्जन करता था। उसके पिता व बड़े भाई भी मजदूरी करते हैं। मृतक की एक वर्ष पूर्व शादी हुई थी। उसके पास तीन माह की एक लड़की है। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। माता–पिता और पत्नी का रो–रो कर बुरा हाल हो गया था। घटना में दूसरा घायल व्यक्ति रमेश यादव चन्दौली जनपद के बलुआ थाने पर दिवान बताया जा रहा है।

दूसरे ई-रिक्शा का बार कोड चोरी कर अपने पर लगा दिया

वाराणसी, संवाददाता। काशी जोन में ई–रिक्शा के लिए जारी किए गए कलर बार कोड वाले स्टीकर चोरी होने लगे हैं। ट्रैफिक पुलिस ने काशी जोन में चेकिंग के दौरान तीन ऐसे मामले पकड़ कर कमिश्नरेट के अलग–अलग थानों की पुलिस को सौंपे हैं। तीनों ई–रिक्शा को सीज कर दिया गया है। काशी जोन के 11 थाना क्षेत्रों में चलने वाले 6070 ई–रिक्शा को 10 सितंबर से एक अक्तूबर तक स्टीकर ट्रैफिक पुलिस लाइन से निशुल्क दिए गए थे। चौकाघाट फ्लाईओवर के पिलर संख्या–74 के सामने सेवापुरी निवासी रवि कुमार राजभर के ई–रिक्शा पर लगा कलर कोड ट्रैफिक पुलिस को संदिग्ध मिला। रवि ने पूछताछ में बताया कि एक ई–रिक्शा से स्टीकर चुराकर उसे मनोज नामक व्यक्ति ने 3000 रुपये में बेचा था। ट्रैफिक पुलिस ने सिगरा थाने की पुलिस को सूचना दी। उसके बाद ट्रैफिक पुलिस को औरंगाबाद निवासी हजरत जंगमबाड़ी में मिला। हजरत ने पूछताछ में बताया कि उसने दूसरे के ई–रिक्शा का स्टीकर चुराकर लगा रखा है। इसी तरह दशाश्वमेध क्षेत्र में भी एक ई–रिक्शे पर लगा स्टीकर संदिग्ध मिला तो दशाश्वमेध थाने को सूचना दी गई।

एडीसीपी ट्रैफिक बोले– सजग रहें

एडीसीपी ट्रैफिक राजेश कुमार पांडेय ने बताया कि काशी जोन के सभी ई–रिक्शा संचालक स्टीकर को लेकर सजग रहें। किसी का स्टीकर चोरी हो तो तत्काल शिकायत दर्ज कराएं। उधर, उपनिरीक्षक देवानंद बरनवाल ने कमिश्नरेट वाराणसी में यातायात पुलिस ने बस, ट्रक, ऑटो, ई–रिक्शा और टैक्सी चालकों को यातायात नियमों के बारे में बताया। ई–रिक्शा चालकों को रात में लो–बीम लाइट को लेकर जागरूक किया। आज से इलेक्ट्रिक ऑटो को मिलेंगे स्टीकर रू काशी जोन में चलने वाले इलेक्ट्रिक ऑटो को भी स्टीकर लगाना होगा। एडीसीपी ट्रैफिक राजेश कुमार पांडेय ने बताया कि शुक्रवार से तीन दिन तक कलर बार कोड वाले स्टीकर ट्रैफिक पुलिस लाइन में दिए जाएंगे। सात सितंबर से इनकी भी चेकिंग की जाएगी।

एआरटीओ ने दी यातायात नियमों की जानकारी

प्रदेश भर में सड़क सुरक्षा पखवाड़ा 2 से 16 अक्तूबर तक चलाया जाएगा। दूसरे दिन एआरटीओ (प्रवर्तन) श्यामलाल ने टीम के साथ शहर में बस, ऑटो, ई–रिक्शा, ट्रक और अन्य वाहन चालकों को जागरूक किया। बताया कि वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही वाहनों के रिफ्लेक्टर टेप लगाया गया। ताकि रात्रि में होने वाली घटनाओं में कमी लाई जा सके।

यूपी में अवैध पटाखवा कारोबार के खिलाफ चलेगा अभियान

बरेली, संवाददाता। बरेली के कल्याणपुर में अवैध रूप से पटाखे बनाने के चलते हुए विस्फोट के मामले में डीजीपी प्रशांत कुमार ने अवैध पटाखा फैक्ट्रियों और गोदामों के खिलाफ नौ अक्टूबर तक अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। डीजीपी ने कहा है कि अगर अभियान के बाद अगर लापरवाही से कोई हादसा होता है तो उस इलाके के जिम्मेदार पुलिसकर्मियों व अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। डीजीपी के निर्देश पर गुरुवार से ही अभियान शुरू हो गया है। डीजीपी ने अफसरों को निर्देश दिए हैं कि जिन फैक्ट्रियों को लाइसेंस दिया गया है, वहां सीओ, एसडीएम, इलाके के इंस्पेक्टर व फायर सर्विस की संयुक्त टीम जाकर निरीक्षण करे। निरीक्षण की विडियोग्राफी कराने और वरिष्ठ अफसरों द्वारा उसे क्रॉस चेक करने को भी कहा गया है, ताकि निरीक्षण के बाद भी कोई हादसा हो तो जिम्मेदारी व जवाबदेही तय की जा सके। वरिष्ठ अधिकारी इसकी भी समीक्षा करेंगे कि किसी भी तरह की आग से निपटने के लिए क्या तैयारियां हैं। यह भी देखा जाए कि कहीं पटाखा फैक्ट्रियों में बच्चों से काम तो नहीं करवाया जा रहा है। पटाखों के अवैध भंडारण और निर्माण की सूचनाओं के लिए एलआईयू अन्य खुफिया इकाइयों की मदद ली जाएगी।

लंबे समय तक चला संबंध दुष्कर्म नहीं – हाईकोर्ट

प्रयागराज, संवाददाता। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में दुष्कर्म और जबरन वसूली के आरोपी के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही रद्द कर दी। कहा कि 12 साल से अधिक समय तक सहमति से चलने वाले संबंध को केवल शादी करने के वादे के उल्लंघन के आधार पर दुष्कर्म नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने दुष्कर्म व जबरन वसूली की धाराओं में दर्ज मुकदमे की पूरी कार्यवाही की रद्द कर दी। न्यायमूर्ति अनीश कुमार गुप्ता ने यह निर्णय श्रेय गुप्ता की याचिका पर दिया है। कोर्ट ने कहा आरोप लगाने वाली पीड़िता विवाहित महिला है और उसके दो बड़े बच्चे थे। उसका पति भी जीवित था। उसने अपने पति की गंभीर बीमारी के कारण आवेदक के प्रति आकर्षित हो गई। लंबे समय तक वह आवेदक के साथ संबंध में रही। जबकि, उसे पता था कि पति के रहते वह आवेदक से शादी नहीं कर सकती। पीड़िता का यह आरोप कि आवेदक ने उसके पति की मृत्यु के बाद उससे शादी का वादा कर संबंध बनाया था। यह बेकार का बहाना है। कानून की नजर में यह कोई वादा नहीं था। पीड़िता परिपक्व महिला है और उसने जानबूझकर इस तरह के रिश्ते में प्रवेश किया।

मुरादाबाद के महिला थाना में पीड़िता ने 2018 में श्रेय गुप्ता पर दुष्कर्म व जबरन वसूली की धारा में मुकदमा दर्ज कराया था। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि आवेदक ने उसके पति के गंभीर रूप से बीमार होने के दौरान उसके साथ शारीरिक संबंध बनाया और पति की मृत्यु के बाद उससे शादी का वादा किया था। पीड़िता के अनुसार पति के गुजर जाने के बाद भी यह रिश्ता जारी रहा। बाद में याची ने 2017 में दूसरी महिला से सगाई कर ली। ट्रायल कोर्ट ने चार्जशीट का संज्ञान लेते हुए समन आदेश जारी किया था। इसे आवेदक ने हाईकोर्ट में चुनौती दी।

जीआईसी में शिक्षक भर्ती के लिए समकक्ष अर्हता हटी

प्रयागराज, संवाददाता। राजकीय इंटर कॉलेजों में सहायक अध्यापक और प्रवक्ता भर्ती के लिए समकक्ष अर्हता का विवाद सुलझ गया है। अब अर्हता से समकक्षता हटा दी गई है। शिक्षा निदेशालय ने अर्हता विवाद को सुलझाते हुए उसे स्वीकृति के लिए उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) को भेज दिया है।

स्वीकृति होने के बाद शिक्षक भर्ती प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। राजकीय विद्यालयों में सहायक अध्यापक और प्रवक्ता के करीब सात हजार पद रिक्त हैं। इन पदों पर भर्ती के लिए शिक्षा निदेशालय से यूपीपीएससी को अधियाचन भेजा गया था। यूपीपीएससी ने शिक्षा निदेशालय को शिक्षक की समकक्ष अर्हता स्पष्ट करने को कहा था। समकक्ष अर्हता को लेकर कई बार विवाद हो चुका था।

ऐसे मामले हाईकोर्ट तक पहुंच चुके थे। पदों के सापेक्ष अर्हता का निर्धारण विभाग करता है। भर्ती के बाद अर्हता का विवाद कोर्ट गया तो आयोग को जवाब देना मुश्किल हो जाता था। इसलिए आयोग ने 2021 में हुई भर्ती के बाद से आए अधियाचन को लौटा दिया। उसके बाद से यह मामला शासन और शिक्षा निदेशालय के बीच लंबित था। इस मामले को लेकर कई दौर की बैठक हुई। उसके बाद शिक्षकों की भर्ती के लिए निर्धारित अर्हता से समकक्ष शब्द ही हटा दिया गया है। अपर निदेशक राजकीय अजय द्विवेदी ने बताया कि विधि द्वारा स्थापित विश्वविद्यालयों की डिग्री शिक्षक भर्ती के लिए मान्य होगी। इसके अलावा विषय वार पद के लिए अर्हता स्पष्ट रहेगी। उन्होंने बताया कि अब पद के सापेक्ष अर्हता स्पष्ट कर दी गई है। इसलिए विवाद नहीं होगा। अर्हता से समकक्षता हटा दिया गया है और यूपीपीएससी से उसकी स्वीकृति का इंतजार है। स्वीकृति मिलने के बाद अधियाचन भेज दिया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

पूर्व प्रबंधक/संस्थापक के निधन से शिक्षकों में शोक

सुजानगंज। क्षेत्र के बसरही नाथ हायर सेकेंडरी स्कूल के पूर्व प्रबंधक रहे राम चन्द्र तिवारी का हुआ निधन जिससे शिक्षको मे शोक व्याप्त है ज्ञात हो कि वह उनका जन्म सन सुजानगंज के बस रही ग्राम सभा कोलाहलपुर में सन 1933 में हुआ था और उन्होंने अपने पैतृक आवास पर ही अंतिम साँस ली और वह सन 1968 से 2007 तक संस्थापक प्रबंधक के रूप में सेवा देने के बाद उन्होंने संतोष कुमार तिवारी पूर्व ब्लाक प्रमुख को प्रबंधकीय कार्य भार सौंप दिया और वह राष्ट्रीय इंटरमीडिएट कालेज से सन 1996 में बाबु पद से सेवानिवृत्त हुए और उन्होंने प्रबंधकीय समिति के दौरान लगभग 22 लोगों की नियुक्ति अपने कार्यकाल में कराये जिससे उन परिवारों में आज उजाला सा दिख रहा है और आज परिजनों के साथ साथ पूरा विद्यालय परिवार शोक में है जिसकी सूचना मिलते ही लोगों की भीड़ उनके आवास पर एकत्रित होने लगी।

दुर्गा पूजा पंडाल की व्यवस्था को लेकर बिजली विभाग ने कसी कमर

वाराणसी, संवाददाता। दुर्गा पूजा उत्सव के दौरान बिजली की बेहतर आपूर्ति को लेकर बिजली विभाग ने कमर कस ली है तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इसमें उपकेंद्रवार कर्मचारियों को पेट्रोलिंग करते रहने को कहा गया है। जेई, एसडीओ से लेकर अधिशासी अभियंता को आपूर्ति व्यवस्था की निगरानी करते रहने की जिम्मेदारी मुख्य अभियंता ने दी है। बिजली निगम के मुख्य अभियंता अरविंद कुमार सिंघल ने बताया कि दुर्गा पूजा को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गईं हैं।पंडालों में निर्बाध आपूर्ति मिल सके, इसके लिए सभी अधिशासी अभियंता को अपने–अपने क्षेत्र में बिजली आपूर्ति की व्यवस्था की निगरानी करनी होगी। आपको बता दें कि दुर्गा पूजा पंडालों में विद्युत व्यवस्था बाधित न हो इसके लिए पूरे इंतेजाम किए गए हैं इसके साथ ही किसी प्रकार की दुर्घटना न हो इसके लिए पंडाल में इंतेजामों को जांचने के लिए रोजाना विभाग की टीम मुस्तैदी करेगी।

एंबुलेंस में गूंजी किलकारी जच्चा बच्चा दोनो सुरक्षित

वाराणसी, संवाददाता। अस्पताल ले जाते समय एंबुलेंस में ही महिला ने बच्चे को जन्म दिया। ईएमटी और आशा ने सुरक्षित प्रसव कराया जच्चा–बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चिरईगांव में भर्ती कराया गया है। कोटवा वाराणसी निवासी संगीता पत्नी जमुना को शुक्रवार सुबह अचानक प्रसव पीड़ा होने लगी परिजनों ने तुरंत आशा बेबी को इसकी जानकारी दी आशा ने तुंरत 102 नंबर पर कॉल किया मौके पर पहुंची 102 की एंबुलेंस UP32EG6968 के पायलट अहमदउल्लाह तथा ईएमटी आशीष ने महिला को अपने एंबुलेंस में शिफ्ट किया तथा अस्पताल के लिए निकल गए गर्भवती महिला को अस्पताल ले जाते समय एंबुलेंस में ही असहनीय पीड़ा होने लगी। आशा व ईएमटी के सहयोग से रास्ते में ही प्रसव कराया। उसके बाद प्रसूता व शिशु को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चिरईगांव में भर्ती कराया। डॉक्टर ने दोनों को स्वस्थ बताया है। परिजन तथा जिला प्रोग्राम मैनेजर कृष्ण देव ने ईएमटी पायलट के कार्य की सराहना की।

नवरात्र पर विंध्याचल के लिए हर 30 मिनट पर चलेंगी बसें

प्रयागराज, संवाददाता। शारदीय नवरात्र के मौके पर यूपी रोडवेज ने मां विंध्यवासिनी के धाम मिर्जापुर जाने वाले यात्रियों की राह आसन की है। नवरात्र के मौके पर यूपी रोडवेज के जीरोरोड बस स्टेशन से प्रत्येक 30 मिनट पर विंध्याचल के लिए बसों का संचालन होगा। भीड़ बढ़ने पर प्रत्येक 15 मिनट पर भी रोडवेज की बसें संचालित की जा सकती हैं। ओवरऑल प्रयागराज और वाराणसी रीजन से मिर्जापुर के लिए नवरात्र में हर रोज 195 बसों का संचालन किया जाएगा। सामान्य दिनों में प्रयागराज से विंध्याचल होते हुए मिर्जापुर के लिए 26 बसों का संचालन होता है।

अब तीन अक्तूबर से नवरात्र शुरू हो रहे हैं। पर्व पर विंध्याचल जाने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए यूपी रोडवेज ने मिर्जापुर–विंध्याचल–प्रयागराज रूट पर 50 बसें लगाने का निर्णय लिया है। बृहस्पतिवार सुबह चार बजे से ही बसों का संचालन विंध्याचल के लिए शुरू हो जाएगा। वर्तमान में मिर्जापुर डिपो से 18 और जीरो रोड से आठ बसें मिर्जापुर–प्रयागराज रूट पर चल रही हैं। यूपी रोडवेज प्रयागराज रीजन के क्षेत्रीय प्रबंधक एमके त्रिवेदी ने बताया कि बृहस्पतिवार से इस रूट पर 50 बसों का संचालन होगा। इसमें 23 बसें मिर्जापुर डिपो और 27 बसें जीरोरोड डिपो की रहेंगी।

डंपर की चपेट में आने से बिजली मिस्त्री की मौत

प्रयागराज, संवाददाता। दुर्गा पूजा पंडाल के लिए सड़क किनारे बावलियों पर बिजली सजाते समय एक युवा के डंपर की चपेट में आ गया। इससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोग उसे अस्पताल ले जाते, इससे पहले उसकी मौत हो गई। रात करीब 2रू00 बजे हुए हादसे की सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

दुर्घटना के बाद घर में कोहराम मचा हुआ है। लालगोपालगंज कस्बा स्थित लाल बाबा का पूरा उर्फ खरगू का पूरा मोहल्ला निवासी मो. अवेश राइन पुत्र स्व. अब्दुल रजाक तीन भाई बहनों में दूसरे नंबर का था।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।